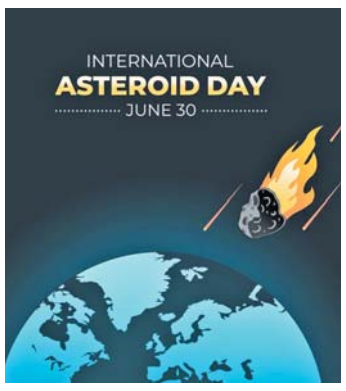

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 315/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 30 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

खंडवा में जल गंगा संवर्धन के समापन का भव्य आयोजन, मोदी वर्चुअली करेंगे संबोधित

90 दिन के अभियान में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआः सीएम

भोपाल। मध्य प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए कई नवाचार किए गए. अभियान के दौरान मनरेगा योजना के तहत खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट बनाने वाले जिलों में खंडवा, बालाघाट, रायसेन, उज्जैन, छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, राजगढ़, अशोकनगर, बैतूल और मंडला शामिल है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल शामिल होंगे और संबोधित भी किया।

अभियान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 578.08 करोड़ की लागत से 57 हजार 207 के जल संरक्षण के कार्य, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वॉटरशेड विकास के तहत 63.46 करोड़ रुपये की लागत से 888 जल संरक्षण के कार्य, वॉटरशेड परियोजनाओं के कार्यों के प्रबंधन और

अनुश्रवण के लिए वॉटरशेड वर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया गया।

उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआ है. इस अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है. पीएम मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरू किया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा।

अभियान का दिखने लगा असर

अभियान से सिंचाई और पीने के पानी के लिए बनाए गए अधिकांश कुओं का जलस्तर बढ़ाने, कुओं को जीवन देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1 लाख 3 हजार से अधिक रिचार्ज पिट बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था। वर्तमान में निर्धारित लक्ष्य से अधिक 1, 04, 294 कुओं में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे है। प्रदेश में पहली बार जल गंगा संवर्धन अभियान में तकनीक के साथ बनाए गए खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट और अमृत सरोवर का सुखद परिणाम भी दिखने लगा है।

मानसून की पहली ही बारिश में खेत तालाबों में पानी भरना शुरू हो गया है। इसके साथ ही कुएं भी रिचार्ज होने लगे है। प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ है कि तीन माह में इतनी बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण कराया गया है।

प्रदेश में खेत तालाब, अमृत सरोवर और रिचार्ज पिट बनाने में मनरेगा परिषद द्वारा सिपरी और प्लानर सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है। प्लानर सॉफ्टवेयर के माध्यम से कार्ययोजना तैयार की गई, इसके बाद सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद से जगह का चिन्हांकन गया। पानी का बहाव किस तरफ है, इसका वैज्ञानिक पद्धति से पता लगाया गया. इसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया गया।

सीएम डॉ. मोहन यादव इंदौर ट्रांजिट पर रहेंगेः अधिकारियों से करेंगे मुलाकात

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को इंदौर की ट्रांजिट विजिट पर रहेंगे। सीएम खंडवा की कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके बाद वे दादा धूनी वाले मंदिर आश्रम परिसर में आयोजित शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री मंडी स्थित हेलीपैड से इंदौर के लिए रवाना होंगे और 4.30 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद भोपाल के लिए उड़ान भरेंगे।

सांध्यप्रकाश विशेष

5 साल बाद आज फिर शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली। पांच साल के लंबे अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा आज 30 जून से फिर शुरू हुई है। यह यात्रा इस बार अगस्त तक संचालित की जाएगी। केंद्र सरकार ने बताया है कि यात्रा इस साल लिपुलेख और नाथुला दोनों मार्गों से चलाई जाएगी। हालांकि इस बार यात्रियों की संख्या कम कर दी गई है। वर्ष 2019 में जहां 1580

श्रद्धालुओं को अनुमति मिली थी, वहीं इस बार सिर्फ 750 श्रद्धालु यात्रा कर सकेंगे। लिपुलेख मार्ग से कुल 5 जत्थों में 50-50 यात्रियों के दल रवाना होंगे। इस मार्ग से कुल 250 यात्री जाएंगे और प्रति यात्री अनुमानित खर्च 1 लाख 74 हजार रुपये आएगा। नाथुला मार्ग से इस बार 10 जत्थों में 50-50 यात्री यात्रा करेंगे। एक यात्री पर अनुमानित खर्च करीब 2 लाख 83 हजार रुपये आएगा। इस बार चीन सरकार ने यात्रा शुल्क में 20 हजार रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। गौरतलब है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा दुनिया की सबसे कठिन तीर्थ यात्राओं में मानी जाती है। इसके बावजूद हर साल हजारों श्रद्धालु कठिन रास्तों से होकर भगवान शिव के दरबार तक पहुंचने का संकल्प लेते हैं।

विधानसभा सत्र के लिए जारी किए गए पहचान पत्रों से अशोक स्तंभ गायब

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के आज से शुरू हो रहे मानसून सत्र की पृष्ठभूमि में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इस बार सत्र के लिए पत्रकारों और अन्य लोगों को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्रों से राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ गायब हो गया है। अशोक स्तंभ रहित इस पहचान पत्र पर केवल विधानसभा या विधान परिषद लिखा हुआ है। पिछले सभी सत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों के आधिकारिक दस्तावेजों की तरह पहचान पत्र पर भी अशोक स्तंभ होता था। हालांकि, इस बार इसके न होने से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। यह घटना कुछ दिन पहले आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम की याद दिलाती है। उस कार्यक्रम के बैनर में भी अशोक स्तंभ की जगह

राजदंड का प्रतीकात्मक चिह्न सेनगोल इस्तेमाल किया गया था। विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी पर संवैधानिक प्रतीकों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। अब जब विधानसभा सत्र के पहचान पत्र से भी अशोक स्तंभ हटा दिया गया है, तो इस आरोप ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि यह हिंदुत्व एजेंडे की प्रतीकात्मक राजनीति है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। अशोक स्तंभ भारतीय गणतंत्र का प्रतीक है। इसे अचानक हटाने का मतलब संवैधानिक मूल्यों से खिलवाड़ करना है। इस बीच, सरकार की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

आईएएस बेटी को सैल्यूट कर गर्व से चौड़ा हुआ पुलिस अधीक्षक पिता का सीना

नई दिल्ली। आपको तेलंगाना के सूर्यपेट की हुजूर नगर सीताराम नगर कॉलोनी के रहने वाले पिता-पुत्री मिलाते हैं। ऐसी कहानी जिसका सपना हर पिता देखता है। इस पिता-पुत्री की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि एक पिता अपनी बेटी को सैल्यूट कर रहे हैं। और सैल्यूट कर उनका सीना गर्व से चौड़ा हो गया। तस्वीर इसीके साथ मार्मिक कहानी भी कह रही है। इस तस्वीर में जो पुलिस अधिकारी सैल्यूट कर रहे हैं, उनका नाम एन. वेंकटेश्वरलु है। वह अपनी आईएएस बेटी को सैल्यूट कर रहे हैं। उनकी बेटी उमा हरथि सिविल परीक्षा 2022 की थर्ड रैंक टॉपर हैं। उमा तेलंगाना पुलिस अकादमी में गई थीं। बेटी को

देखते ही पिता वेंकटेश्वरलु कुछ भावुक से हो गए। उन्होंने सामने खड़ी बेटी को खुशी से जोरदार सलामी दी। यह पूरी कहानी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उमा हरथि की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई तेलंगाना से हुई है। उमा के पिता एन वेंकटेश्वरलू नारायणपेट जिले के पुलिस अधीक्षक हैं। उमा अपने आईपीएस पिता से काफी प्रभावित थीं। अपने पिता को जब वर्दी में देखती थीं, तो उन्हें भी इसे पहनने की इच्छा होती थी। और फिर उमा के सपनों को पंख लग गए। सिविल सेवा परीक्षा की उन्होंने जमकर तैयारी की। पांचवें प्रयास में आखिर वह सिविल सेवा परीक्षा में तीसरी रैंक लाने में सफल रहीं। उमा के पिता ने उन्हें सिविल सेवा में जाने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने पिता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, वह मुझे बताते रहे कि यह कितना बढ़िया मंच है।

अमित शाह ने सीएम रेवंत पर कसा तंज, राज्य को माओवादियों का अड्डा न बनाएं

निजामाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इंदौर (निजामाबाद) में उगाई जाने वाली हल्दी को विदेशों में निर्यात किया जाएगा और दुनिया भर में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का गठन करके किसानों के चार दशक पुराने सपने को पूरा किया है। उन्होंने माओवादियों से हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। उन्होंने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से कहा

कि राज्य को माओवादियों के लिए पनाहगाह नहीं बनना चाहिए। अमित शाह ने निजामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के कार्यालय का उदघाटन किया। बाद में उन्होंने स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैदान में आयोजित किसान महासम्मेलन सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम उन लोगों से बातचीत नहीं कर सकते जिन्होंने हथियार उठा लिए हैं। यह हमारी सरकार की नीति नहीं है। उन्होंने जंगलों में 40000 आदिवासियों को मार डाला है। हम उन लोगों से बातचीत नहीं कर सकते जिन्होंने हथियार उठा लिए हैं।

एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक समेत अंतरराष्ट्रीय खेलों में अधिक खिलाड़ी भाग लेंः सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ की जबलपुर में आयोजित वार्षिक बैठक को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने

वाले ओलंपिक सहित सभी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश के खिलाड़ी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और बड़ी संख्या में पदक लाएं, इस लक्ष्य के साथ प्रदेश में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार प्रदेश में खेल अधोसंरचना विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण के साथ-साथ अन्य सहायता व प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं । राज्य शासन मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है ।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में भीषण धमाका

रिएक्टर में विस्फोट से 6 लोगों की मौत की आशंका, 20 घायल

संगारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी में एक फार्मा कंपनी में बड़ा धमाका हो गया। फार्मा कंपनी में लगी आग इतनी भयानक थी कि कई लोग इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में 6 लोगों की मौत की आशंका है और 15-20 लोग घायल हैं।

तेलंगाना फायर अधिकारियों के अनुसार, यह धमाका मेडक के पसामैलाराम फेज 1 में स्थित सिगाची फार्मा कंपनी में हुआ। इस केमिकल कंपनी में अचानक रिएक्टर ब्लास्ट हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

दूर तक दिखा धुएं का गुबार

हैदराबाद से महज कुछ ही दूरी पर स्थित इस केमिकल फैक्ट्री में आज सुबह 9 बजे के आसपास तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद पूरी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री से उठ रहे धुएं के गुबार को दूर से ही देखा जा सकता था। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

6 लोगों की मौत की आशंका

पुलिस ने फौरन एंबुलेंस बुलाईं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हादसे के दौरान फैक्ट्री में मौजूद 6 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हालांकि, अभी किसी भी मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बिहार में बिजली गिरने से 5 मौतें

हिमाचल में लैंडस्लाइड के बाद टनल में गाड़ियां फंसी, मप्र राजस्थान समेत 12 राज्यों में आज तेज बारिश

नई दिल्ली/भोपाल। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट से पहले आने

वाली टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। टनल के अंदर भी वाहन फंस गए हैं। हिमाचल में 20 जून के बाद से बारिश से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

एमपी में 2 दिन स्ट्रॉन्ग सिस्टम...पूरा प्रदेश भीगेगा

मानसून के एक्टिव होने के बाद से ही मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। रविवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश का दौर चला। ऐसा ही मौसम सोमवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने 20 जिलों में हैवी रेन यानी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, जिन जिलों में सोमवार को भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है, उनमें ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। यहां 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत बाकी के जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

भाजपा से निकल रही खबर बता रही फैसला 2 जुलाई को संभव

ट्राइबल या सरप्राइज होगा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, सारा खेल हाईकमान के पाले में?

भोपाल। मध्यप्रदेश में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी हाईकमान की मंजूरी के बाद दावेदारों ने अंतिम दौर की जोड़-तोड़ तेज कर दी है। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे हैं, हालांकि इस बार पार्टी आदिवासी वर्ग से अध्यक्ष नियुक्त कर 'ट्राइबल कार्ड' भी खेल सकती है। केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उईके, खरगोन सांसद गजेंद्र पटेल और पूर्व मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते जैसे नाम भी इसी समीकरण में शामिल हैं। मप्र भाजपा का अगला अध्यक्ष आदिवासी वर्ग से हो सकता है

या हाईकमान कोई अप्रत्याशित निर्णय लेकर चौंका सकता है। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया 1 जुलाई को होगी, जब केंद्रीय चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान भोपाल पहुंचेंगे। नामांकन और रायशुमारी के बाद 2 जुलाई को कार्यसमिति की बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। मध्यप्रदेश में 22त्न से अधिक आबादी आदिवासी वर्ग की है। ऐसे में संगठन लंबे समय बाद आदिवासी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर सामाजिक संतुलन साध सकता है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश गठन के बाद से अभी तक किसी आदिवासी नेता को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया गया है।

आज भरे जाएंगे नामांकन

चार प्रदेशों में सोमवार को नामांकन भरे जाएंगे और पांच राज्यों में जल्द प्रदेश अध्यक्ष की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड समेत देश के नौ राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष का नाम तय करने के लिए बैठकों का सिलसिला चल रहा है।

क्या संभावित चेहरों में से ही किसी पर लगेगी मुहर?

बैतूल से विधायक और पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल को दौड़ में सबसे मजबूत बताया जा रहा है। इसका कारण उनकी संगठन में मजबूत पकड और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पसंद एवं आरएसएस पदाधिकारी सुरेश सोनी के करीबी होना बताया जा रहा है। वहीं, साथ ही केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उईके भी रेस में आ गए है। उनकी मजबूती का कारण आरएसएस से संपर्क में रहने वाले, लो-प्रोफाइल और सर्वमान्य नेता होना है।

पुलिस में 19 हजार पद खाली, कैडर मिसमैनेजमेंट के चलते डीएसपी से एसपी नहीं बन पाएः मकवाना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और डीजीपी कैलाश मकवाना पुलिस भर्ती के लिए काफी पहल कर रहे हैं। इसके बाद भी एसआई के 500 पद और सिपाही के 7500 पद के लिए भर्ती अटकी हुई है। फाइल पुलिस मुख्यालय में घूम रही है। भर्ती और प्रमोशन को लेकर डीजीपी कैलाश मकवाना ने इंदौर में खुलकर बात रखी। वे रविवार को यहां इंदौर जोन की बैठक लेने के लिए आए हुए थे। सीधी भर्ती के जरिए डीएसपी के 20-20 साल बाद भी एसपी नहीं बनने पर मकवाना ने कहा कि पदोन्नति समय पर होना चाहिए, लेकिन कैडर मिसमैनेजमेंट के चलते यह नहीं हो पाया। बीच में डीएसपी के बड़े-बड़े बैच आ गए, इसके चलते प्रमोशन में दिक्कत हुई है। कई बातों पर विचार चल रहा है कि आगे कैडर मैनेजमेंट कैसे किया जाए। सीनियर एएसपी जो सालों से एसपी नहीं बन पाए, क्या उन्हें जिले की कमान मिलेगी, इस पर मकवाना ने कहा कि अभी ऐसा कोई विचार नहीं है लेकिन पदोन्नति पर जरूर मंथन हो रहा है।

एसआई भर्ती में क्या स्थिति

मकवाना ने भर्ती को लेकर कहा कि पुलिस में 18-19 हजार पद रिक्त हैं। एसआई के ही दो हजार पद रिक्त हैं, लेकिन अभी हम केवल 500 पर भर्ती कर रहे हैं। यदि एक साथ इतने पद भरेंगे तो फिर इनके प्रमोशन में लंबा समय लगेगा और इंतजार करना होगा। जैसे कि डीएसपी के बड़े बैच आने पर एसपी बनने में समय लग रहा है।

भर्ती की फाइल अटकी हुई है

उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय से 8000 पद (500 एसआई और 7500 सिपाही) के लिए डिमांड ईएसबी चली गई थी, इसके बाद प्रक्रिया तय हो गई। परीक्षा के लिए ईएसबी ने जुलाई-अगस्त की विंडो रख ली, लेकिन इसके बाद पदों के वर्गीकरण के लिए फाइल ईएसबी से फिर पुलिस मुख्यालय गई तो दो महीने से नहीं लौटी है। अब ईएसबी के पास जुलाई-अगस्त की विंडो भी नहीं बची है। जब तक मुख्यालय से फाइल लौटकर नहीं आएगी, यह पदों का विज्ञापन जारी नहीं होगा।

जीवन को संवारने का मार्ग

हमारे कारण किसी को दुःख ना पहुंचे। सब प्रकार की हिंसा से मुक्त हों। छल-कपट के आचरण का त्याग करके सरल और सहज होकर जीवन जीना चाहिए। यही धर्म है, यज्ञ है, साधना है। दुनिया में जितने भी धर्म हैं, पंथ हैं, सम्प्रदाय हैं, उन सबका एक ही उद्देश्य है और वो है हमें मानव बनाना। हम छल-कपट के आचरण का त्याग करके सरल और सहज होकर जीवन जियें, यही धर्म की आज्ञा है। हमारे कारण किसी को दुःख ना पहुंचे, ऐसा निरन्तर चिन्तन ही यज्ञ है। यज्ञ जीवन को संवारने का मार्ग ।। हमारे कारण किसी को दुःख ना पहुंचे। सब प्रकार की हिंसा से मुक्त हों। छल-कपट के आचरण का त्याग करके सरल और सहज होकर जीवन जीना चाहिए। यही धर्म है, यज्ञ है, साधना है। दुनिया में जितने भी धर्म हैं, पंथ हैं, सम्प्रदाय हैं, उन सबका एक ही उद्देश्य है और वो है हमें मानव बनाना। हम छल-कपट के आचरण का त्याग करके सरल और सहज होकर जीवन जियें, यही धर्म की आज्ञा है। हमारे कारण किसी को दुःख ना पहुंचे, ऐसा निरन्तर चिन्तन ही यज्ञ है। यज्ञ का अर्थ है सब प्रकार की हिंसा से मुक्त हो जाना। यज्ञ करते समय अपने भीतर के पशु को भी हवन कर देना ही सच्चा यज्ञ है। ख़तम ना कर सकें तो उसे नियंत्रित कर लें, साध लें, यही साधना है।

विश्व सोशल मीडिया दिवस

पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार हुआ है जिसमें फेसबुक, लिंक्डइन, माईस्पेस, यूट्यूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, स्नैपचैट, टिकटॉक और अन्य प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म उभर कर सामने आए हैं।

मौजूदा समय में सोशल मीडिया हमारे डेली लाइफ का हिस्स बन गया है. आज के समय में बहुत कम लोग ही ऐसे हैं जो सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं रहते। सोशल मीडिया को सेलिब्रेट करने के लिए एक स्पेशल दिन भी है। जिसे विश्व सोशल मीडिया दिवस के नाम से भी जाना जाता ह।

विश्व सोशल मीडिया दिवस का इतिहास

दरअसल, सोशल मीडिया दिवस दुनियाभर में प्रतिवर्ष 30 जून को मनाया जाता है। इस दिन की स्थापना 2010 में मैशेबल नामक एक वैश्विक मीडिया और प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा की गई थी, ताकि दुनियाभर में संचार पर सोशल मीडिया के गहन प्रभाव को पहचाना जा सके। हालांकि, सोशल मीडिया की शुरुआत 1997 में सिक्सडिग्री जैसे प्लेटफॉर्म के लॉन्च के साथ हुई थी, जिसने यूजर्स को प्रोफाइल बनाने और दोस्तों से जुड़ने की अनुमति दी थी। साल 2001 में इसके दस लाख से अधिक यूजर्स हो चुके थे उसके बावजूद भी इसे बंद कर दिया गया।

मौजूदा समय का सोशल मीडिया

पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार हुआ है जिसमें फेसबुक, लिंक्डइन, माईस्पेस, यूट्यूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, स्नैपचैट, टिकटॉक और अन्य प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म उभर कर सामने आए है। आज देश में तेजी से बढ़ते यूजर बेस के साथ सोशल मीडिया भारत में लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि वर्ल्ड स्टैटिक्स के अनुसार, भारतीय प्रतिदिन औसतन 2.36 घंटे सोशल मीडिया पर बिताते है। जबकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को डेटा प्राइवेसी और गलत सूचना जैसे मुद्दों पर बढ़ती जांच का सामना करना पड़ रहा है, विश्व सोशल मीडिया दिवस इन डिजिटल स्थानों के सकारात्मक पहलुओं पर विचार करने और उनके उपयोग के लिए एक संतुलित, जिम्मेदार दृष्टिकोण के लिए प्रयास करने का एक अनुस्मारक है।

सोशल मीडिया दिवस का महत्व

सोशल मीडिया के माध्यम से हजारों मील दूर बैठे व्यक्ति से मैसेज और वीडियो कॉलिंग के जरिए जुड़ सकते है। वहीं एक क्लिक में दुनिया की तमाम जानकारी को सोशल मीडिया पर पा सकते है। जैसा कि इसका नाम है सोशल मीडिया मतलब समाज का एक माध्यम जिसके जरिए हम समाज में हो रही हर एक घटना से अवगत होते है।

सोशल मीडिया के जरिए ही सिटीजन जर्नलिजम यानी की नागरिक पत्रकारिता संभव हो पाया है। सारे पीआर एजेंसी सोशल मीडिया को एक हथियार की तरह यूज कर रहे है। निर्भया केस के आरोपियों को सोशल मीडिया के कारण ही सजा मिल पाई। सोशल मीडिया के कारण ही साल 2014 में बेजेपी जन-जन तक पहुंची और केन्द्र में अपनी सरकार बना पाई। (साभार)

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

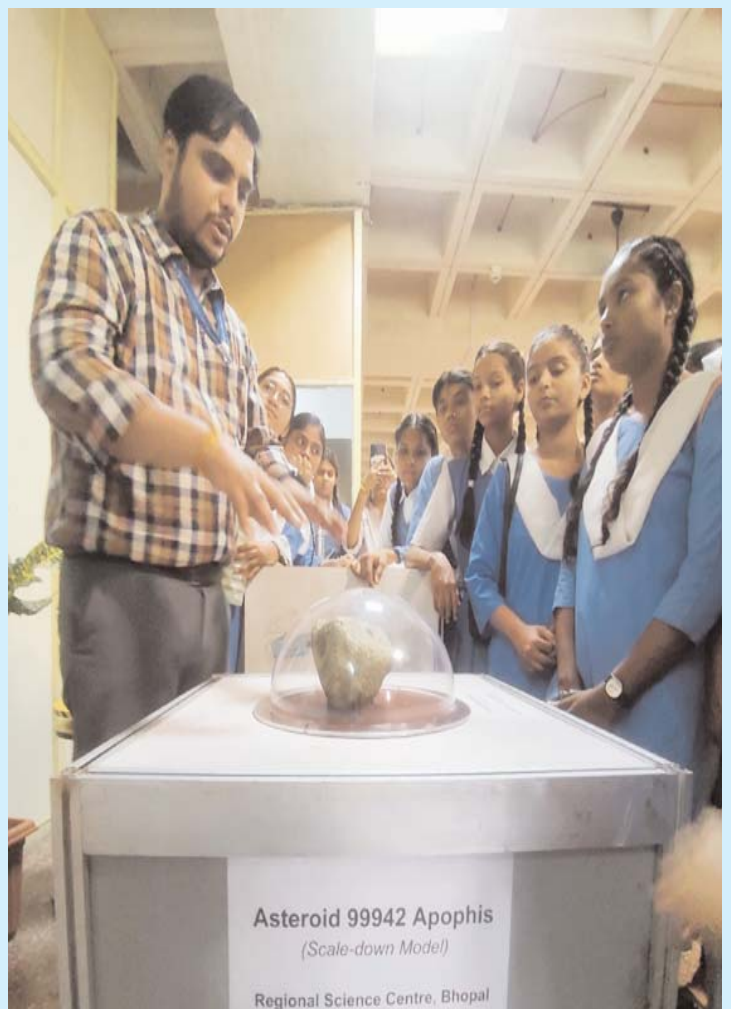

भोपाल। अंतरराट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस पर आंचलिक विज्ञान केन्द्र में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कर तारामंडल की जानाकरी दी गई।

भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से सेवा सदन द्वारा निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

संत हिरदाराम नगर। सेवा सदन नेत्र अस्पताल ने रविवार को राजधानी के बैरसिया रोड पर एक निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण और मोतियाबिंद आपरेशन शिविर लगाया। इस में 181 नेत्र रोगियों के आंखों की जांच की गई। इनमें से 56 रोगियों को मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, जिन्हे एंबुलेंस से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अस्पताल लाकर भर्ती किया गया। सोमवार को इन रोगियों के मोतियाबिंद के आपरेशन किये जायेंगे। शिविर का आयोजन भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से अटलराम सिंधी धर्मशाला में किया गया। आगामी दो माह में शहर के विभिन्न स्थानों पर अन्य नौ शिविर आयोजित किये जायेंगे। जिन रोगियों को मोतियाबिंद की शिकायत नहीं पाई गई, उन्हें निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई और उनके ब्लड प्रेशर और मधुमेह के स्तर की जांच की गई। भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारी और सेवा सदन के ट्रस्टीगण द्वारा प्रारंभ में दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सुनील जैनाविन, कमल जैन श्वेता, नारायण सिंह कुशवाह, योगेन्द्र मुखरैया, वीरेन्द्र जैन श्रीजी, हीरो ज्ञानचंदानी, जयकिशन लालचंदानी, तरूण मूलचंदानी, भगवानदेव ईसरानी, मोहनलाल गंगवानी, मोहन लालवानी, जगदीश सहिता, तुलसी आडवानी, एल.सी. जनियानी, रमेश बिनयानी, हरीश ज्ञानचंदानी, और अमर थावानी भी उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था अमरनाथ रवाना

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल के 51 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था आज सुबह अंडमान एक्सप्रेस से रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व प्रदीप पटेल द्वारा किया जाएगा। मंडल का चौथा जत्था शाम को मालवा एक्सप्रेस से रवाना होगा।

भारतीय सफाई मजदूर संघ ने एरियस का भुगतान की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

भोपाल। भारतीय सफाई मजदूर संगठन के भोपाल जिला अध्यक्ष सोनू डागर के नेतृत्व मे भोपाल नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन देकर रुका हुआ एरियस का जल्द भुगतान करने का निवेदन किया जिसमें भारतीय सफाई मजदूर संघ भोपाल जिला कार्यकारिणी कार्यकारी अध्यक्ष नितिन सेंगर ,संगठन मंत्री धीरज कटारे, प्रचार प्रसार मंत्री कृपाशंकर कोटियाना , मोहसिन खान कोलार जिला अध्यक्ष दीपक छापरीबंद एवं आदि संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन कल से

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमपी ट्रांसको) द्वारा कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-प्रशिक्षु) एवं लाइन परिचारक (प्रशिक्षु)-2024 के पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 1 जुलाई से प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया 3 जुलाई 2025 तक चलेगी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता श्री अतुल जोशी ने बताया कि सत्यापन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से एमपी ट्रांसको मुख्यालय, शक्तिभवन, ब्लॉक-2, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) कार्यालय, जबलपुर में किया जाएगा।

निर्धारित मापदंडों का पालन कर क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल में हुए छात्र-संघ चुनाव

संत हिरदाराम नगर। छात्र-संघ चुनाव का आयोजन विद्यालय के संचालक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ के मार्गदर्षन में तथा प्राचार्य परमेन्द्र दरयानी एवं उप-प्राचार्य रीना मंडलोई एवं समन्वयक अलमास खान के सहयोग से तथा समस्त शिक्षकगण की सहभागिता से सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। इस चुनाव प्रक्रिया को क्रियान्वत करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों का यथासंभव पालन किया गया। छात्र-संघ चुनाव में हेडबाय एवं हेड गर्ल के पद हेतु कक्षा-12 के छात्र-छात्राओं ने अपना नामांकन दाखिल किया तथा वाइस हेडबाय एवं वाइस हेड गर्ल के लिए कक्षा-11 के छात्र-छात्राओं ने अपना नामांकन दाखिल किया। योग्य उम्मीदवार के निर्वाचन के लिए कक्षा 9 से 12 तक छात्र-छात्राओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह से निष्पक्ष एवं गोपनीय रखने के लिए चुनाव अधिकारी के रूप में शिक्षक राजेश शर्मा एवं रेखा ब्रिगोडिया ने अपने कर्तव्य का पूर्णतः पालन किया।

मतदान प्रारंभ होने से पूर्व संचालक महोदय डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी ने समस्त उम्मीदवारों से उनके विचार जाने तथा उनके कर्त्तव्य एवं अधिकारों के बारे में सूचित किया तथा चुने जाने पर उन्हें अपने कर्त्तव्यों का पालन अनुसाषित रहकर करना होगा तथा विद्यालय के नाम एवं गरिमा को बनाए रखना होगा। छात्र-संघ चुनाव में समस्त षिक्षकगणों ने भी अपने मतदान का प्रयोग किया तथा उम्मीदवारों की सफलता की कामना भी की।

इस मतदान प्रक्रिया करवाने का विद्यालय का उद्देष्य विद्यार्थियों को सरकार निर्माण की जानकारी देना तथा उन्हें अपने मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक करना है तथा उन्हें एक जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

लीडरशिप स्टाइल पर एचआर स्पेशलिस्ट का सेशन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में एम. बी. ए. एवं एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड की छात्राओं के लिए इंडस्ट्री एक्सपर्ट सेशन का आयोजन हुआ। इस सत्र में वन-पॉइंट-वन सॉल्यूशंस मुंबई के चीफ एच. आर. ऑफिसर अश्विनी कुमार राव शामिल हुए। मल्टी-जेनेरशनल वर्कफोर्स के लिए लीडरशिप स्टाइल पर आयोजित इस सत्र में राव ने कहा कि सभी प्रोफेशनल्स को अपने अंदर लीडरशिप स्टाइल को बढ़ावा देना चाहिए। टीम बिल्डिंग पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने कहा कि आज कम्युनिकेशन स्किल्स का सबसे ज्यादा महत्त्व है। इंडस्ट्री डिमांड को विशेषतः ध्यान में रखते हुए छात्राओं से उन्होंने आव्हान किया कि थ्योरी के साथ साथ प्रैक्टिकल नॉलेज पर भी गहरी समझ होना आवश्यक है। इस सेशन के अंत में छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिसका एक्सपर्ट के द्वारा उत्तर दिया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंध निदेशक श्री हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

सांध्यप्रकाश विशेष

त्वरित टिप्पणी

जी. के. छिब्बर

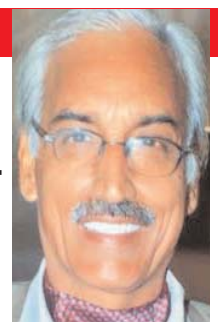

महाराष्ट्र में तीन भाषा नीति पर हिंदी वैकल्पिक होने पर भी विरोध शर्मनाक

मराठी भाषा की लिपी देवनागरी है

महाराष्ट्र सरकार द्वारा तीन भाषा नीति का विरोध राष्ट्रहित के विपरीत हैं इतना ही नदी हिंदी को वैकल्पिक भाषा रखने पर भी विरोध शर्मनाक है यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्थानीय भाषा होना तो आवश्यक हो सकता है अंग्रेजी विदेशी भाषा में सीखने में कोई हर्ज नहीं हो रही परन्तु राष्ट्रभाषा जो देश के सामाजिक ,आर्थिक, व्यापार व्यवसाय ओर रोजगार के लिए आवश्यक है उसका वोट की राजनीति के लिए विरोध किया जा रहा है जो राष्ट्र की एकता ओर अखंडता के विपरीत है। जो लोग मुश्किल अंग्रेजी सीख सकते है तो आसान हिंदी सीखने में क्यों परेशानी हो रही है समझ से परे है। मुंबई और दक्षिण में हिंदी फिल्में धड़ल्ले से बन रही है और निर्माता भी दक्षिण के है ओर फ़िल्में खूब चल रही है परन्तु हिंदी को वैकल्पिक भाषा सीखने का विरोध भी मूर्खतापूर्ण ही कहा जाए जाएगा आज जो लोग गैर हिंदी भाषी राज्य के लोग हिंदी भाषी राज्य में रोजगार में आ रहे हैं उन्हें भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध आश्चर्यजनक है क्योंकि मराठी भाषा के लेखन देवनागरी लिपि में है जो हिंदी ही है सिर्फ अभिव्यक्ति मराठी है उन्हें तो हिंदी बोलने में सबसे आसानी है विरोध करने वाले अंग्रेजियत के गुलाम बन सकते है परन्तु राष्ट्र भाषा की उपेक्षा कर कोई महानता नहीं दिखा रहे वोट बैंक की राजनीति प्रजातंत्र को कमजोर नहीं कर रही देश के विकास में भी रोड़ा उत्पन्न कर रही हैं देश की जनता को ऐसे हिंदी विरोधियों को सबक सीखना चाहिए सरकार को भी राजनैतिक इच्छा शक्ति दिखाते हुवे हिंदी सीखने की अनिवार्यता को गंभीरता से लागू करना चाहिए।

एक करोड़ 24 लाख से अधिक पौधे किये रोपित

भोपाल। जल गंगा संवर्धन अभियान में वन विभाग द्वारा वन क्षेत्रों में एक करोड़ 24 लाख 70 हजार 808 पौधे रोपित किये गये। वन विभाग की विभिन्न शाखाओं द्वारा बैम्बू मिशन में 26 हजार, कैम्पा में एक करोड़ 13 लाख 7 हजार 575, डेवलपमेंट में 2 लाख 59 हजार 563, फेडरेशन में एक लाख 10 हजार 170, ग्रीन इण्डिया मिशन में एक लाख 15 हजार 620 और अनुसंधान एवं विकास के अंतर्गत 21 हजार 880 पौधे रोपित किये गये।

सरकार खिवनी अभयारण्य के प्रभावितों के साथ है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इछावर-खातेगांव क्षेत्र के प्रभावितों के साथ की भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खिवनी अभयारण्य के लिए वन विभाग द्वारा खातेगांव इछावर क्षेत्र मे की गई कार्यवाही से प्रभावित क्षेत्र के जनजातीय समुदाय के लोगों के साथ समत्व भवन में भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवेदनशीलता से शिकायतों और पीड़ा को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्रवाई पर खेद व्यक्त करते हुए, स्थिति का उचित समाधान निकालने, शिकायतों की जांच करवाने, दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्यवाही करने और क्षेत्र के लोगों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावितों के साथ है। यह सुनिश्चित किया जाएगा की बरसात में किसी को कोई तकलीफ ना हो। राहत के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जांएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में बालाघाट जिले की सूमा उइके की पहल को सराहा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में बालाघाट जिले के कटंगी ब्लॉक की सूमा उइके का उल्लेख करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार, महिलाओं- युवाओं -गरीबों और किसानों के जीवन में बदलाव लाने और उन्हें आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर करने की दिशा में समर्पित भाव से प्रयासरत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में राज्य के इन प्रयासों का उल्लेख करने से प्रदेशवासियों का उत्साह बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि बालाघाट जिले के कटंगी विकासखंड के ग्राम भजियापार की सूमा उइके ने स्व सहायता समूह से जुड़कर मशरूम की खेती और पशुपालन की ट्रेनिंग ली और आय बढ़ने पर थर्मल थेरेपी और दीदी केंटीन से आय अर्जित कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयनगर लालघाटी क्षेत्र में रमेश विजयवर्गीय के निवास पर श्रवण किया।

सीएम डॉ. मोहन यादव का बड़ा ऐलान

लाड़ली बहना को हर महीने अलग से मिलेंगे 5 हजार रुपए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अब महिलाओं को हर महीने 5000 रुपए मिलेंगे। यह घोषणा निवाड़ी जिले में देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन के दौरान की गई। सीएम ने घोषणा करते हुए बताया कि जो महिलाएं रेडीमेड गारमेंट यूनिट या फैक्ट्री में काम करना चाहती हैं, उन्हें अतिरिक्त 5000 रुपए मिलेंगे। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

दिवाली तक 1500 रुपए देने का ऐलान

सीएम ने बताया कि लाड़ली बहना योजना के तहत 2028 तक राशि को बढ़ाकर 3000 रुपए प्रति माह कर दिया जाएगा। दिवाली से पहले इस राशि को 1500 रुपए प्रति माह किया जाएगा, जिससे महिलाओं को और अधिक सहायता मिलेगी।

पहले लाड़ली बहना को 1000 रुपए मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 1250 रुपए किया गया था। अब रक्षाबंधन के मौके पर 250 रुपए और बढ़ाए जाएंगे, जिससे राशि 1500 रुपए प्रति माह हो जाएगी।

जुलाई से मिल सकते हैं 1500 रुपए

सीएम ने बताया कि जुलाई में लाड़ली बहना योजना के तहत 1500 रुपए मिल सकते हैं। यह राशि रक्षा बंधन के अवसर पर बढ़ाई गई है। रक्षाबंधन 9 अगस्त को है। इस दिन महिलाओं के खाते में 250 रुपए और जमा किए जाएंगे, जिससे कुल लाभ 1500 रुपए हो जाएगा।

महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उनका मानना है कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी, तो इससे परिवार और समाज का समग्र विकास होगा।

सनातन परंपरा और धार्मिक उत्सवों से ही भावी पीढ़ी सुखी होगी: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विन्ध्य में धार्मिक उत्सवों की अनूठी परंपरा का भाग है रथयात्रा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मानस भवन में आयोजित रथयात्रा समारोह में भगवान जगन्नाथ स्वामी का दर्शन तथा पूजा-अर्चन किया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान की आरती करके विन्ध्य और मध्यप्रदेश के निवासियों के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में सनातन परंपरा और धार्मिक उत्सव संस्कृति का आधार हैं। इन्हीं से भावी पीढ़ी सुखी होगी। विन्ध्य में वर्ष भर विभिन्न धार्मिक उत्सवों की अनूठी परंपरा है। इनमें हर वर्ग के व्यक्ति उत्साह के साथ भाग लेते हैं। भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा भी इसी परंपरा का महत्वपूर्ण भाग है। भगवान जगन्नाथ स्वामी के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब श्रद्धा का प्रतीक है। समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जगतगुरू राघवाचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का श्रवण किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य में जगतगुरू के चरण पड़े हैं। यह हम सबके लिए शुभ फलदायी है। आपकी रामकथा को यहाँ के लोग सदैव याद करते हैं। आपके कर कमलों से हिनौती गौधाम में गौशाला निर्माण का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। रीवा में बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में सात हजार गायों तथा लक्ष्मणबाग गौशाला में एक हजार गौ माताओं की सेवा की जा रही है। हिनौती गौधाम में 25 हजार गौमाता की सेवा होगी इससे निराश्रित गौमाता को आश्रय मिलेगा।

मन की बात देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि 'मन की बात' सिर्फ संवाद नहीं, यह देश की आत्मा से जुड़ाव का माध्यम है– प्रेरणा, दिशा और विश्वास का स्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है। 'मन की बात' की 123वीं कड़ी ने जन-मन में नई ऊर्जा का संचार किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों, योग और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों के साथ-साथ आपातकाल की विभीषिका को भी याद किया। आपातकाल का दौर लोकतंत्र के लिए एक काली रात था, जिसे देशवासियों ने अपने साहस और दृढ़ संकल्प से समाप्त किया। यह हमारी लोकतांत्रिक चेतना की अमिट मिसाल है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के बूथ क्रमांक 111 स्थित निवास में प्रधानमंत्री श्री मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ÷मन की बात÷ का श्रवण किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश की बेटी बालाघाट की सुश्री सुमा उइके, जिन्होंने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मशरूम उत्पादन, पशुपालन और 'दीदी कैंटीन' जैसे उद्यमों से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। सुश्री सुमा उइके का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। साथ ही यह अन्य महिलाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत का 'ट्रेकोमा मुक्त' घोषित होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत का परिणाम है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल की उपस्थित में आयुष्मान भवः कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में होटल कल्चुरी में आयोजित आयुष्मान भव-कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, संतोष बरकड़े, डॉ अभिलाष पांडे,पूर्व विधायक विनय सक्सेना, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर तथा जिले के ख्यातिलब्ध चिकित्सक मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश तथा देश में तेजी से विकास हो रहा है, देश आर्थिक महाशक्ति बन रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार सुधार हो रहे हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे आम जन को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। इन्ही सब प्रयासों से मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य का कलंक से निजात मिल चुका है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए लगातार बेहतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में इस समय 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि 30 हजार पदों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है, जो सितम्बर-अक्टूबर तक पूरी हो जायेगी। इससे जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक की उपलब्धता होगी। महाकौशल क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाएं दिल्ली, बम्बई, नागपुर की स्वास्थ्य सुविधाओं से बेहतर होंगी।

नि:शुल्क अनाज वितरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि जनजातीय अंचलों में पात्र परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कहीं भी अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदार कर्मचारियों और सेल्समेन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने गरीब और जनजातीय भाईयों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है।

राशन कार्ड धारकों को तीन माह का अग्रिम निःशुल्क राशन जून महीने में ही वितरित करने की योजना बनाई गई है, ताकि वर्षा ऋतु में किसी भी तरह की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना पर पूरी गंभीरता से अमल कर रही है। अलीराजपुर जिले सहित प्रदेश के अन्य जनजातीय बहुल इलाकों में भी इस योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री श्री चौहान ने जिले के जनजातीय भाईयों से भी अपील की है कि वे अपने उचित मूल्य की दुकान से जून महीने में ही तीन माह का पूरा राशन प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि हाल ही में जिले के विभिन्न गांवों से उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ स्थानों पर हितग्राहियों को केवल दो माह का ही राशन वितरित किया जा रहा है, जबकि उन्हें तीन माह का अनाज अग्रिम रूप से दिया जाना चाहिए। इसके अलावा स्व-सहायता समूह की बहनों और सेल्समेन के द्वारा राशन वितरण कार्य में लापरवाही की शिकायतें भी सामने आई हैं। इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री चौहान ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में अनाज की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई कर्मचारी, सेल्समेन या समूह की सदस्य लापरवाही बरतते पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ नियम अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में उन्होंने जिला कलेक्टर को निगरानी बढ़ाने और ग्राम स्तर तक वितरण की सतत समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। मंत्री चौहान ने कहा कि सरकार गरीबों और जनजाति वर्ग के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने ग्रामवासियों से भी अपील की है कि यदि कहीं भी राशन वितरण में गड़बड़ी हो तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

नि:शुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं जिनके माध्यमिक शाला और हाई स्कूल छात्रावास से स्कूल की दूरी 2 किलोमीटर अधिक दूरी पर है यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी। छात्रावास छोड़ते समय साइकिलें छात्रावास में जमा कराना होंगी। योजना में कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को 18 इंच और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिलें प्रदाय की जायेंगी। निःशुल्क साइकिल वितरण की विस्तृत जानकारी 3.0 पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में कक्षा 6वीं की साइकिल के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी श्री आर.के. पांडे और कक्षा 9वीं के लिये योजना अधिकारी श्री अशोक बड़गे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। दिशा-निर्देश प्रदेश के समस्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षाा अधिकारी और जिला शिक्षा केन्द्र समन्वयक को जारी किये गये हैं।

पुनर्जीवित हुआ शालीवाड़ा शारदा का सूखा तालाब, गांव को मिली हरियाली की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जलगंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के जलस्त्रोतों को पुनर्जीवित कर जल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया। छिंदवाड़ा जिले के विकासखण्ड परासिया के ग्राम शालीवाडा शारदा ने इसी अभियान में भागीदारी कर वह कर दिखाया, जो वर्षों से केवल एक सपना था। सूखा था जो तालाब कभी, अब वो जल से भरा हुआ है, प्रयास जो मिलकर किए थे, गाँव को हरियाली से भर दिया है।

पी.एच.ई विभाग और ग्रामवासियों के साझा प्रयासों से बदली तस्वीर- गाँव के मध्य स्थित वर्षों पुराना तालाब गंदगी, झाड़ियों और प्लास्टिक कचरे के कारण उपयोगहीन हो गया था। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संभाग परासिया की पहल, ग्राम पंचायत के नेतृत्व और ग्रामीणों की भागीदारी ने इस तालाब की तकदीर बदल दी है। तकनीकी टीम ने पहले तालाब का सर्वे कर आवश्यक सुधार बिंदु तय किए इसके बाद प्राकृतिक नालों की सफाई कर वर्षा जल को तालाब की ओर मोड़ा गया। तालाब की खुदाई कर उसकी गहराई और जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई गई। ग्रामवासियों ने भी श्रमदान कर सफाई और निर्माण में पूर्ण योगदान दिया। आज वही सूखा और गंदगी से पटा तालाब पानी से लबालब है। खेतों में सिंचाई संभव हो गई है, हैंडपंप व कुएँ रीचार्ज हो चुके हैं, और भूजल स्तर में सुधार के स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं। गाँव में हरियाली लौट आई है और किसान प्रसन्न हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान ने केवल एक तालाब को नहीं, बल्कि एक पूरे गाँव की सोच और भविष्य को बदल दिया है। जहाँ जल, वहाँ कल की भावना को साकार करते हुए ग्राम शालीवाडा शारदा एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है और ग्रामीणों ने जल संरक्षण के महत्व को अच्छी तरह समझ लिया है।

प्रतिभाओं के सम्मान से हम देश के भविष्य का सृजन करते हैं: परमार

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को रवींद्र भवन में हुआ

364 प्रतिभाओं को किया सम्मानित, श्रुतिका ने परिवार का नाम इतिहास में अंकित कर दिया: सबनानी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रविवार का दिन दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए यादगार बन गया। क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों का प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में आयोजित हुआ। इसमें 364 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन एवं हनुमान चालीसा का पाठ आचार्य प.श्री अमितानंद द्वारा किया गया, जिससे पूरा सभागार राममय हो गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। समारोह में प्रदेश की गौरव दक्षिण-पश्चिम विधानसभा निवासी श्रुतका जैन,सी.बी.एस.ई. ऑल इंडिया रैंक 2, प्रदेश रैंक 1 विशेष रूप से उपस्थित रही और विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। श्रुतिका जैन कार्यक्रम की आइकॉन रही। समारोह के मुख्य अतिथि इंदर सिंह परमार, मंत्री उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग रहे। इंदर सिंह परमार ने कहा कि मैं सबनानी जी को बधाई देता हूं कि उन्होंने मुझे यहां पर बुलाकर इतनी सारी प्रतिभाओं से मिलने का अवसर दिया। शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है और हमें अपने संस्कारों के प्रति जागरूक होकर, उन्हें अपनी पहचान बनाने पर जोर दिया है। भारत अपने संस्कारों के कारण पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है। आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व गुरु बनेगा। अपने स्वागत भाषण में भगवानदास सबनानी ने सभागार में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि, आज का दिन मेरे लिए बहुत ही खास है, क्षेत्र के इतने सारे प्रतिभाशाली लोगों को एक साथ देखकर मन प्रफुल्लित है, बिटिया श्रुतिका जैन ने दक्षिण-पश्चिम परिवार का नाम इतिहास में अंकित कर दिया। मैं मंत्री जी और सभागार में उपस्थित सभी लोगों को बताना चाहता हूं कि हमारा दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र

प्रतिभाओं के साथ ही अपने ऐतिहासिक स्थलों के लिए भी प्रसिद्ध है। मैं पद्मश्री हरचंदन सिंह भट्टी जी का आभारी हूं जिन्होंने समारोह को गरिमा प्रदान कर हमें अनुग्रहित किया, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

समारोह में विषय विशेषज्ञ के रूप में विजय मनोहर तिवारी कुलगुरु, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी विषय में अपनी पढ़ाई करें, डॉक्टर बने या इंजीनियर, नेता बने या अफसर, बिजनेस करें या खेती, किसी भी क्षेत्र में जाएं, लेकिन भारत का इतिहास जरूर पड़े, बिना इतिहास पड़े अगर आप आगे बढ़ रहे हैं तो यह ध्यान रखें कि बिना नींव की इमारत जैसे हैं। नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने के लिए सरकार स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्थानों की हेरिटेज वॉक अनिवार्य करे, बच्चे ऐसे स्थानों पर जाएं, उनके बारे में किताबें पड़े, चर्चा करें, लिखें, इतिहास से हमारा जीवंत रिश्ता होना चाहिए। डॉ. प्रिया भावे चित्तावर, प्रजनन चिकित्सा विशेषज्ञ एवं आयरन-मेन ट्राई-एथलिट, डॉ भावे ने कहा कि अपनी सफलता का जश्न मनाएं, बढ़ेगा आत्मविश्वास, क्षमताओं का कर पाएंगे बेहतर उपयोग। बच्चे अपनी सफलता का श्रेय सबको दें, लेकिन अपनी मेहनत को कम ना आंकें यदि आप असफलता को स्वीकार कर लें तो सफलता स्थायी हो सकती है। कला मोहन, शैक्षणिक सलाहकार एवं मनोवैज्ञानिक, कला मोहन ने कहा कि हमें 21वीं सदी की चुनौतियों को समझना होगा और अपने आपको पहचान कर उन चुनौतियों का सामना करना होगा। वीयूसीए दुनिया के अवसर पहचानने होंगे । विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें भविष्य की उपलब्धियों के लिए चरणबद्ध तरीके से योजना बनाकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। नवाचार के रूप में आए हुए सभी प्रतिभाओं व परिजनों को प्लांटेबल सीड पेन दिए गए, पेन में लगे बीज अंकुरित होकर पौधे बन जायेंगे।

संपादकीय

साझा बयान पर हस्ताक्षर नहीं कर रक्षा मंत्री ने ठीक किया

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिल्कुल ठीक किया। ऐसे 'साझा बयान' पर हस्ताक्षर नहीं किए, जो चीन और पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ का दस्तावेज था और आतंकवाद पर नजरिया एकतरफा था। 'सीमापार आतंकवाद' पर भारत के नजरिए को नकारा नहीं जा सकता। 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) किसी का निजी संगठन नहीं है। चीन, भारत, पाकिस्तान समेत 10 देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन था, लिहाजा सभी के सरोकार और खासकर आतंकवाद पर उनकी चिंताओं को 'साझा बयान' में शामिल किया जाना चाहिए था, लेकिन भारत के पहलगाम नरसंहार का उल्लेख तक नहीं किया गया। कश्मीर के उस खूबसूरत क्षेत्र में आतंकियों ने पर्यटकों का 'धर्म' पूछा और हिंदू होने पर गोली मार दी। इस तरह 26 मासूम, बेकसूर लोगों की हत्या कर दी गई। उसकी प्रतिक्रिया में भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करना पड़ा, करीब 170 आतंकियों को ढेर किया गया और उनके अड्डों को 'मिट्टी-मलबा' कर दिया गया। यदि एससीओ आतंकवाद पर कुछ टिप्पणी करना चाहता था, आतंकवाद की निंदा करते हुए उसे खारिज करना चाहता था, तो 'साझा बयान' के दस्तावेज में 'पहलगाम नरसंहार' का जिक्र क्यों नहीं किया गया? यह दोगली रणनीति लगती है। यहीं चीन और पाकिस्तान की आतंकवाद पर नीयत और दृष्टि साफ हो जाती है, लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कलम नीचे रखनी पड़ी और उन्होंने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। नतीजतन रक्षा मंत्री सम्मेलन 'साझा बयान' के बिना ही सम्पन्न करना पड़ा। भारत के रक्षा मंत्री ने सीमापार आतंकवाद के पनाहगारों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कठघरे तक घसीट कर लाने की बात कही। चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी पाकपरस्त आतंकियों को बचाता रहा है। यदि वह नापाक गठजोड़ एससीओ में भी जारी रहा है, तो साफ मायने हैं कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय संगठन अपने घोषित मकसद से भटक रहे हैं। क्या चीन के लिए आतंकवाद एक 'रवायती शब्द' है अथवा वह भी आतंकवाद पर गंभीर देश है? एससीओ का रक्षा मंत्री सम्मेलन ऐसा पहला अवसर था, जब आतंकवाद पर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया जा सकता था। हालांकि इसकी उम्मीदें कम ही थीं, क्योंकि चीन पाकिस्तान की पीठ थपथपाता रहा है। एससीओ में भी यही हुआ। भारत जिस आतंकवाद से संत्रस्त रहा है, उसका केंद्र पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान का सदाबहार मित्र चीन है। फिर चीन पाकिस्तान की गर्दन पर पांव रख कर आगे नहीं बढ़ सकता था, जबकि भारत चीन के साथ भी वैश्विक प्रगति के लिए कदम बढ़ाता रहा है। दरअसल चीन पाकिस्तान की हकीकत नहीं देखना चाहता।

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

डॉ. मोहन यादव

क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंचतत्व से बना शरीरा

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एक जल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लिये जल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है, जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है, जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया। यह अभियान जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरूकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल-संरचनाओं पर काम हुआ है। अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है। इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरू किया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा की एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा।

हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव कर पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार री-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है।

यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह माँ नर्मदा, शिप्रा मईया, ताप्ती और बेतवा सहित लगभग 267 नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्गम को चिन्हित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरुआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहल नदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है।

प्रदेश में पहली बार जल संरक्षण के साथ जल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजाभोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावड़ी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकर्पण करते हुए मुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये प्रदेश भर में दो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया।

प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2 लाख 30 हजार जल दूत बनाये गये। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे। प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार-विमर्श किया।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिए डेशबोर्ड डाटा को एआई के माध्यम के उपयोग से अभियान की प्रगति में सुधार और गति दी गई।

इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्त्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवन प्राप्त हुआ। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह हमारे किसान भाइयों के लिए पारस पत्थर का काम करेगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी।वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए चलाए गए अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार रहा जनभागीदारी। सरकार, शासन-प्रशासन, समाजसेवी और प्रदेश के आमजन ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौधरोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा।मुझे खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के साथ जनता के लिए, जनता का अभियान बन गया है। इस अभियान ने जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है। प्रदेश ने यह प्रमाणित किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करेंतो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। किसान, महिला, युवा और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को जीवन का मंत्र बना लिया है। इससे समाज में जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित हुआ है। इस अभियान ने हम सभी के मन को एक नये संकल्प और ऊर्जा से भर दिया है। यह अभियान केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की सुरक्षा का वह सूत्र है, जिससे प्रदेश की समृद्धि जुड़ी है।

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च

महाभारत के शांति पर्व का यह श्लोक जल के महत्व और जीवन में इसकी भूमिका को दर्शाता है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से पानी की बूंद-बूंद बचाने और जल समृद्ध राज्य बनाने का आह्वान करता हूं। आईये, हम सब मिलकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें, जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ायें। मुझे उम्मीद है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

जय हो देश के रक्षा मंत्री जी

राकेश दुबे

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिल्कुल ठीक किया। ऐसे 'साझा बयान' पर हस्ताक्षर नहीं किए, जो चीन और पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ का दस्तावेज था और आतंकवाद पर नजरिया एकतरफा था। 'सीमापार आतंकवाद' पर भारत के नजरिए को नकारा नहीं जा सकता। 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) किसी का निजी संगठन नहीं है। चीन, भारत, पाकिस्तान समेत 10 देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन था, लिहाजा सभी के सरोकार और खासकर आतंकवाद पर उनकी चिंताओं को 'साझा बयान' में शामिल किया जाना चाहिए था, लेकिन भारत के पहलगाम नरसंहार का उल्लेख तक नहीं किया गया। कश्मीर के उस खूबसूरत क्षेत्र में आतंकियों ने पर्यटकों का 'धर्म' पूछा और हिंदू होने पर गोली मार दी। इस तरह 26मासूम, बेकसूर लोगों की हत्या कर दी गई। उसकी प्रतिक्रिया में भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करना पड़ा, करीब 170 आतंकियों को ढेर किया गया और उनके अड्डों को 'मिट्टी-मलबा' कर दिया गया। यदि एससीओ आतंकवाद पर कुछ टिप्पणी करना चाहता था, आतंकवाद की निंदा करते हुए उसे खारिज करना चाहता था, तो 'साझा बयान' के दस्तावेज में 'पहलगाम नरसंहार' का जिक्र क्यों नहीं किया गया? यह दोगली रणनीति लगती है। यहीं चीन और पाकिस्तान की आतंकवाद पर नीयत और दृष्टि साफ हो जाती है, लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कलम नीचे रखनी पड़ी और उन्होंने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। नतीजतन रक्षा मंत्री सम्मेलन 'साझा बयान' के बिना ही सम्पन्न करना पड़ा। भारत के रक्षा मंत्री ने सीमापार आतंकवाद के पनाहगारों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कठघरे तक घसीट कर लाने की बात कही। उन्होंने आतंकवाद की प्रत्येक साजिश और हरकत को आपराधिक और अनुचित करार दिया। एससीओ का उद्देश्य आतंकवाद सरीखे मुद्दों पर साझा रणनीति तय करना है। दस्तावेज में बलूचिस्तान की कथित आतंकी गतिविधियों, जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर आतंकी हमले, को शामिल किया गया है, लेकिन पहलगाम नरसंहार को नजरअंदाज किया गया है। भारत को यह स्वीकार्य नहीं था। दुनिया पाकिस्तान के आतंकी रिकॉर्ड को अच्छी तरह जानती है।

बलूचिस्तान पाकिस्तान का ही हिस्सा है। बलूच आर्मी के लड़ाके, हुकूमत के खिलाफ, विद्रोह कर रहे हैं, लेकिन उसे भारत द्वारा प्रायोजित आतंकवाद करार देना खोखला आरोप है। ऐसे संगठन के विमर्श का मजाक उड़ाना है। चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी पाकपरस्त आतंकियों को बचाता रहा है। यदि वह नापाक गठजोड़ एससीओ में भी जारी रहा है, तो साफ मायने हैं कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय संगठन अपने घोषित मकसद से भटक रहे हैं। क्या चीन के लिए आतंकवाद एक 'रवायती शब्द' है अथवा वह भी आतंकवाद पर गंभीर देश है? एससीओ का रक्षा मंत्री सम्मेलन ऐसा पहला अवसर था, जब आतंकवाद पर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया जा सकता था। हालांकि इसकी उम्मीदें कम ही थीं, क्योंकि चीन पाकिस्तान की पीठ थपथपाता रहा है। एससीओ में भी यही हुआ। भारत जिस आतंकवाद से संत्रस्त रहा है, उसका केंद्र पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान का सदाबहार मित्र चीन है। फिर चीन पाकिस्तान की गर्दन पर पांव रख कर आगे नहीं बढ़ सकता था, जबकि भारत चीन के साथ भी वैश्विक प्रगति के लिए कदम बढ़ाता रहा है। दरअसल चीन पाकिस्तान की हकीकत नहीं देखना चाहता। हकीकत न देखने की गलती पाकिस्तान ने भी की थी, लिहाजा आज वह कर्ज, गरीबी, भुखमरी, महंगाई की जकडन् में है। आतंकवाद का समर्थन करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। भारत का रुख सही है। आज की गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में भी भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश देने में समर्थ है और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है। वहां आतंकवाद की कोई गुंजाइश नहीं है। वैश्विक तौर पर देखें, तो अमरीका, यूरोपीय देश और चीन आतंकवाद पर भारतीय नजरिए के प्रति संवेदनशील नहीं हैं, लेकिन जब अमरीका में 9/11 आतंकी हमला किया गया था, तब भारत को ही याद किया गया था कि इस आतंकवाद से कैसे निपटें! रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' का पक्षधर देश है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का भारत का अधिकार भी शामिल है।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूंबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?

अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस

मानव जीवन की उत्पत्ति और पृथ्वी के विकास का रहस्य एवं प्रचुर मात्रा में उपयोगी संसाधन क्षुद्रग्रहों से प्राप्त हो सकता है

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने क्षुद्रग्रह (एस्टॉरायड) के खतरे को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 30 जून, 2017 से %अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस% मनाने की घोषणा की थी। लोगों के बीच क्षुद्रग्रह को लेकर जागरूकता बढ़ाने और इससे होने वाले खतरे को लेकर युवा पीढ़ी को बचाने और उन्हें इससे होने वाली भयानक घटना को विस्तार से समझाने के लिए क्षुद्रग्रह दिवस को प्रत्येक साल मनाया जाता है। सौरमंडल में मंगल और बृहस्पति के बीच में बहुत से ऐसे खगोलीय पिंड विचरण करते रहते हैं, जो अपने आकार में ग्रहों से छोटे और उल्का पिंडो से बड़े होते हैं। ये सौर प्रणाली के निर्माण के समय बने चट्टानी पिंड हैं, ये ग्रहों के परिभाषा को ठीक तरह से उचित साबित नहीं करते, जिस कारण इन्हें क्षुदग्रह नाम दिया गया। मानव जीवन की उत्पत्ति और पृथ्वी के विकास के बारे में मुख्य रहस्य रखने के अलावा क्षुद्रग्रहों के बारे में यह भी माना जाता है कि वे प्रचुर मात्रा में संसाधन रखते हैं, जो मानव जाति के उपयोग के लिए काम आ सकते हैं। खगोलीय वस्तु ऐसी वस्तु को कहा जाता है जो ब्रह्माण्ड में प्राकृतिक रूप से पायी जाती है, यानि जिसकी रचना मनुष्यों ने नहीं की होती है जैसे तारे, ग्रह, प्राकृतिक उपग्रह, गैलेक्सी, उल्का पिंड, ब्लैक होल, पल्सर, आदि।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग का अभ्यास ब्रह्मांड के विशालता और जटिलता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देता है। इसमें सूर्य, चंद्रमा, तारे और ग्रह शामिल हैं, और यह स्वाभाविक रूप से क्षुद्रग्रहों जैसे अन्य खगोलीय पिंडों के प्रति जिज्ञासा को भी बढ़ा सकता है। योग प्रकृति के प्रति सम्मान और सराहना की भावना को प्रोत्साहित करता है। क्षुद्रग्रह, सौर मंडल का एक हिस्सा होने के नाते, इस प्रकृति का हिस्सा हैं, और योग के माध्यम से, व्यक्ति प्रकृति के सभी पहलुओं के प्रति अधिक जागरूक और सम्मानजनक हो सकता है। योग में, परिवर्तन और अस्थिरता को जीवन का एक अभिन्न अंग माना जाता है। क्षुद्रग्रह, जो लगातार गतिमान हैं और कभी-कभी पृथ्वी के करीब से गुजरते हैं, यह याद दिलाते हैं कि सब कुछ परिवर्तनशील है। योग का अभ्यास ज्ञान की खोज को प्रोत्साहित करता है, जिसमें ब्रह्मांड और इसके रहस्यों को समझना शामिल है।

योग गुरु अग्रवाल ने मनुष्य देह के रहस्य के बारें में बताया कि विश्व के विविध धर्म और संप्रदायों के लोगो की उपासना पद्धति चाहे अलग अलग हो पर देह तो मनुष्य देह ही है। देव , दानव, यक्ष, किन्नर, गंधर्व, फरिस्ते या अन्य तमाम योनिया भोग योनि है । उपासना से ईश्वर प्राप्ति के लिए उन्हें भी मनुष्य जन्म ही लेना पड़ता है। क्योंकि मनुष्य देह मे एक रहस्य है जो अन्य मे नही है। निराकार ब्रह्म के प्रधान पंच तत्व से बना है मनुष्य देह। मतलब इस ब्रह्मांड में जो कुछ भी है वो सब मनुष्य देह मे जन्म से ही है। तेतीस कोटि देवता या 14 ब्रह्मांड भी मनुष्य के देह मे ही है। प्रार्थना , नाम जप , मंत्र अनुष्ठान , यज्ञ यागादि पूजन , तंत्र , यंत्र , योग ,महापूजा ये सब करते करते देह मे रही दैवी शक्तियां जाग्रत होती है और ब्रह्म (मोक्ष)की प्राप्ति होती है। गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरित मानस में कहते है-÷ बड़े भाग मानुष तनु पावा। सुर दुर्लभ सब ग्रंथन्हि गावा।।÷ अर्थात् बड़े भाग्य से मनुष्य का तन मिलता है, इस तन को पाने के लिए देवता भी तरसते हैं। किन्तु इसका क्या कारण है कि मनुष्य तन को इतना भाग्यशाली कहा गया? इस प्रश्न का उत्तर भी गोस्वामी तुलसीदास जी ने इसी चौपाई की अगली पंक्ति में दिया- साधन धाम मोच्छ कर द्वारा। अर्थात् केवल मानव तन ही एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा आत्मा मोक्ष की प्राप्ति कर सकती है। यह मानव-शरीर साधन है, मुक्ति का। आत्मा इसी शरीर में वास्तविक धर्म यानी ब्रह्मज्ञान को प्राप्त कर अपना कल्याण कर सकती है। आत्मा रूपी अंश पुनः अपने परमात्मा रूपी अंशी में मिल सकता है। अन्यथा यह एक योनि से दूसरी योनि में ही भटकता रहेगा। मानव शरीर एक देवालय (मंदिर) है। ईश्वर ने अपनी माया से चौरासी लाख योनियों की रचना की। मनुष्य शरीर की रचना करके ईश्वर बहुत ही प्रसन्न हुए क्योंकि मनुष्य ऐसी बुद्धि से युक्त है जिससे वह ईश्वर के साथ साक्षात्कार कर सकता है। ईश्वर ने पंचभूतों (आकाश ,वायु ,अग्नि भूमि और जल) से मानव शरीर का निर्माण किया। जब मानव शरीर प्रकट हुआ तब सभी देवता प्रसन्न हो गए। सूर्य नेत्रों में ज्योति (प्रकाश) बन कर, वायु छाती और नासिका-छिद्रों में प्राण बन कर, अग्नि मुख में वाणी और उदर में जठराग्नि बन कर, दिशाएं श्रोत्रेन्द्रिय (सुनना) बन कर कानों में, औषधियां और वनस्पति लोम (रोम) बन कर त्वचा में, चन्द्रमा मन होकर हृदय में, मृत्यु (मलद्वार) होकर नाभि में और जल देवता वीर्य होकर पुरुषेन्द्रिय में प्रविष्ट हो गए। तैंतीस देवता अंश रूप में आकर मानव शरीर में निवास करते हैं ।

उपनिषद् का निम्नलिखित कथानक मानव शरीर के देवालय होने की पुष्टि करता है¬हमारा शरीर भगवान का मंदिर है। यही वह मंदिर है, जिसके बाहर के सब दरवाजे बंद हो जाने पर जब भक्ति का भीतरी पट खुलता है, तब यहां ईश्वर ज्योति रूप में प्रकट होते हैं और मनुष्य को भगवान के दर्शन होते हैं।संसार में जितने देवता हैं, उतने ही देवता मानव शरीर में ÷अप्रकट÷ रूप से स्थित हैं, किन्तु दस इन्द्रियों (पांच ज्ञानेन्द्रिय और पांच कर्मेन्द्रियां) के और चार अंतकरण (भीतरी इन्द्रियां–बुद्धि, अहंकार, मन और चित्त) के अधिष्ठाता देवता प्रकट रूप में हैं। नेत्रेन्द्रिय (चक्षुरिन्द्रिय) के देवता–भगवान सूर्य नेत्रों में निवास करते हैं और उनके अधिष्ठाता देवता हैं; इसीलिए नेत्रों के द्वारा किसी के रूप का दर्शन सम्भव हो पाता है। इनसे गन्ध का ज्ञान होता है । श्रोत्रेन्द्रिय (कान) के देवता– श्रोत-कान के अधिष्ठाता देवता दिक् देवता (दिशाएं) हैं। इनसे शब्द सुनाई पड़ता है । जिह्वा के देवता–जिह्वा में वरुण देवता का निवास है, इससे रस का ज्ञान होता है । त्वगिन्द्रिय (त्वचा) के देवता–त्वगिन्द्रिय के अधिष्ठाता वायु देवता हैं । इससे जीव स्पर्श का अनुभव करता है । हस्तेन्द्रिय (हाथों) के देवता–मनुष्य के अधिकांश कर्म हाथों से ही संपन्न होते हैं । हाथों में इन्द्रदेव का निवास है । चरणों के देवता–चरणों के देवता उपेन्द्र (वामन, श्रीविष्णु) हैं । चरणों में विष्णु का निवास है । वाणी के देवता–जिह्वा में दो इन्द्रियां हैं, एक रसना जिससे स्वाद का ज्ञान होता है और दूसरी वाणी जिससे सब शब्दों का उच्चारण होता है । वाणी में सरस्वती का निवास है और वे ही उसकी अधिष्ठाता देवता हैं । उपस्थ (मेढ़्र) के देवता–इस गुह्येन्द्रिय के देवता प्रजापति हैं । इससे प्रजा की सृष्टि (संतानोत्पत्ति) होती है । गुदा के देवता–इस इन्द्रिय में मित्र, मृत्यु देवता का निवास है। यह मल निस्तारण कर शरीर को शुद्ध करती है । बुद्धि इन्द्रिय के देवता–बुद्धि इन्द्रिय के देवता ब्रह्मा हैं । गायत्री मंत्र में सद्बुद्धि की कामना की गई है इसीलिए यह 'ब्रह्म-गायत्री' कहलाती है । जैसे-जैसे बुद्धि निर्मल होती जाती है, वैसे-वैसे सूक्ष्म ज्ञान होने लगता है, जो परमात्मा का साक्षात्कार भी करा सकता है ।

ब्रह्माण्ड और शरीर में समानता है पर अंतर केवल स्थूल व सूक्ष्म का है। जितने मूर्तिमान भाव विशेष इस लोक में हैं वे सब मनुष्य में हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो लोक या प्रकृति तथा पुरुष में समानता है। चरक संहिता इसी कथन को हमारे लिए कहती है- यावन्तो हि लोके मूर्तिमन्तो भावविशेषा¬। तावन्त¬ पुरुषे यावन्त¬ पुरुषे तावन्तो लोके॥ ब्रह्माण्ड में चेतनता है तो मनुष्य भी चेतन है। एक स्थान से दूसरे स्थान तक चलता फिरता रहता है। परन्तु जब यह किसी कारण से रोगी हो जाता है और चलने-फिरने में अक्षम हो जाता है तो इसमें जड़ता आने लगती है। ईश्वर ने बुद्धि के रूप में सबसे अच्छा उपहार इसे दिया है। इस बुद्धि से वह चमत्कार करता है। इस प्रकार पंचमहाभूतों के सभी गुण मनुष्य में हैं। जिसे दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि जो इस ब्रह्माण्ड में है वही इस शरीर में भी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

कलेक्टर एसपी की अध्यक्षता में विकासखंड घंसौर में आयोजित होगी खंडस्तरीय जनसुनवाई

सिवनी। जिलें के दूरस्थ अंचल के नागरिकों की समस्याओ के त्वरित निराकरण एवं उनकी सुविधाओं के लिए कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन एवं पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता आगामी मंगलवार 01 जुलाई को घंसौर विकासखण्ड की विकासखंडस्तरीय जनसुनवाई में शामिल होंगे। कलेक्टर सुश्री जैन एवं एसपी श्री मेहता सभी विभागों के विकासखण्डस्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुन निराकरण करेंगे।

कलेक्टर का प्रयास, सहेजने एवं संवारने से गढ़ी बावड़ी बनी आकर्षण का केन्द्र

सिवनी। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनसमुदाय और जिला प्रशासन की भागीदारी से जिले में मौजूद प्राचीन बावड़ियों, कूप और अन्य जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। शासन की इस पहल से प्राचीन जल स्त्रोतों को सहेजने एवं संवारने से इन जल संरचनाओं को पुनर्जीवन मिल रहा है। कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन के निर्देशन में अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के विभिन्न कार्यो के साथ ही छपारा मुख्यालय में ऐतिहासिक गढ़ी बावड़ी को भी पुनर्जीवन मिला है। जन अभियान परिषद के अधिकारियों एवं कमर्चारियों और स्थानीय नागरिकों की भागीदारी से कालान्तर में झाड़ियों और मिट्टी से ढंकी बावड़ी की साफ-सफाई और रंग रोशन कर आकर्षक और उपयोगी बनाया गया है। ऐतिहासिक गढ़ी बावड़ी का नवीनीकरण किये जाने से यह बावडियां अब लोगों के आकर्षण का केन्द्र बन रही है। वर्षा पूर्व बावडियों की साफ-सफाई और पानी संग्रहण के लिए प्राकृतिक जल स्रोतों की सफाई से उम्मीद है कि बावडियों में पर्याप्त मात्रा में वर्षाजल एकत्रित होगा, जिसका लाभ क्षेत्रीय ग्रामीणों को तो मिलेगा ही, बल्कि यह बावडियां भू-जल स्तर बढाने में भी मदद करेंगी।

शैलेंद्र मेहता पुनः किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष बने

आष्टा। किराना व्यापारी संघ की बैठक उमराव गार्डन मुगली रोड पर संपन्न हुई। जिसमें व्यापार संबंधी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा करने के बाद दो वर्षों का आय एवं व्यय का लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष लोकेंद्र धारवां द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें पुनः शैलेंद्र मेहता शेलू को अध्यक्ष चुना गया।

भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष के निवास पर पहुंचे विधायक ,सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

आष्टा। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाला कार्यक्रम प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम के तहत पीएम की मन की बात सुनने आज विधायक गोपालसिंह इंजीनियर भाजपा के पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओ के साथ भाजपा महिला मोर्चे की नगर अध्यक्ष श्रीमति प्रिया नीलेश खंडेलवाल के निवास पहुचे एवं सभी के साथ पीएम की मन की बात सुनी। आज के 123 वे एपिसोड में अंतराष्ट्रीय योग दिवस,नेत्र रोग ट्रेकोमा से मुक्त हुआ भारत,आपातकाल के काले अध्याय, अमरनाथ यात्रा ,मेघालय का अहिंसा सिल्क,एक पेड़ माँ के नाम,पानी बचाये जैसे विषयों को लेकर जो जानकारी प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताई उससे सभी अवगत हुए।

इस अवसर पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने महिला मोर्चे की नगर अध्यक्ष प्रिया खंडेलवाल के ससुर एवं भाजपा सीहोर जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता अनोखीलाल खंडेलवाल का विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने साफा बांध कर शाल ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान कर आशीर्वाद लिया एवं चाय पर चर्चा के दौरान राजनीतिक एवं संगठनात्मक विषयो पर चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123 वा एपिसोड भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष प्रिया खंडेलवाल के निवास पर सुनने पहुचे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर का एवं सभी पदाधिकारियों,जनप्रतिनिधियों का प्रिया खंडेलवाल एवं शहीद भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नीलेश खंडेलवाल ने रामनामी दुपट्टे पहना कर स्वागत सम्मान किया।

'शिव की नाराजगी' पर 'मोहन का एक्शन' सीहोर डीएफओ को पद से हटाया, आदिवासियों को मिलेगा न्याय

सीहोर। जिले में वन विभाग की कार्रवाई को लेकर आदिवासी समुदाय के आक्रोश और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सख्त नाराजगी के बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला है। रविवार को सीहोर वनमंडल के डीएफओ मगन सिंह डाबर को हटा दिया गया, और उनकी जगह लघुवनोपज संघ की उप वन संरक्षक अर्चना पटेल को नया डीएफओ नियुक्त किया गया है।

यह घटनाक्रम शनिवार को सीहोर में शिवराज सिंह की नाराजगी पर एक्शन था। गौरतलब है कि केन्द्रिय मंत्री शिवराज सिंह चौहान जब सीहोर पहुंचे थे तो वहां पर सैकड़ों की संख्या में आदिवासी शिवराज सिंह चौहान से मिलने पहुंचे थे। इन आदिवासियों ने आरोप लगाया कि खिवनी अभयारण्य क्षेत्र में वन विभाग के अधिकारियों ने उनके मकानों को ढहाया और जबरन जमीन से बेदखल किया जा रहा है।

इन आरोपों से नाराज होकर शिवराज सिंह चौहान ने मौके पर ही अधिकारियों की कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उन्होंने इस 'अन्यायपूर्ण कार्रवाई' पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि आदिवासियों के साथ किसी भी प्रकार का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री की नाराजगी के कुछ ही घंटों के भीतर डीएफओ मगन सिंह डाबर को पद से हटाने के आदेश जारी कर दिए गए, जिससे यह संदेश साफ हो गया कि प्रशासनिक तंत्र में लापरवाही और संवेदनहीनता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नई डीएफओ अर्चना पटेल के कंधों पर अब आदिवासी समाज की संवेदनशील और न्यायपूर्ण कार्यप्रणाली अपनाने की अहम जिम्मेदारी है। कि वह आदिवासियों को उनका हक दिला सके। इसके साथ ही उनको विकास की ओर ले जाए।

मप्र : छात्रों को मिलेगी मुफ्त साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

सरकारी स्कूल की छात्राओं के लिए खुशखबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जो छात्र कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल नहीं हैं उन्हें किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं, उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

ध्यान रहे इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। इसकी विस्तृत जानकारी 3.0 पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में कक्षा 6वीं की साइकिल के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी आर के पांडे और कक्षा 9वीं के लिये योजना अधिकारी अशोक बड़गे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। दिशा-निर्देश प्रदेश के समस्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा केन्द्र समन्वयक को जारी किये गये हैं।

ये छात्र होंगे पात्रः ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय-हाई स्कूल संचालित नहीं हैं वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6एवं 9 में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा।

इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं जिनके माध्यमिक शाला और हाई स्कूल छात्रावास से स्कूल की दूरी 2 किलोमीटर अधिक दूरी पर है यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी। छात्रावास छोड़ते समय साइकिलें छात्रावास में जमा कराना होंगी।

कैसे साइकिल मिलेगी: योजना में कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को 18 इंच और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिलें प्रदाय की जायेंगी।

यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी। छात्रावास छोड़ते समय साइकिलें छात्रावास में जमा कराना होंगी।

निःशुल्क साइकिल वितरण की विस्तृत जानकारी 3.0 पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में कक्षा 6वीं की साइकिल के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी आर.के. पांडे और कक्षा 9वीं के लिये योजना अधिकारी श्री अशोक बड़गे को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

वृद्धाश्रम अपना घर में पशुपालन राज्यमंत्री ने केक काटकर मनाया पंचायत मंत्री का जन्मदिन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री के जन्मदिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम, वृद्धजनों को भोजन कराया गया और पंखे वितरण किए

दमोह। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के जन्म दिवस अवसर पर जरारूधाम गौअभ्यारण में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दमोह नगर के वृद्धाश्रम अपना घर में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटैल ने केक काटकर पंचायत मंत्री श्री पटैल का जन्मदिन मनाया और एक दूसरे को केक खिलाकर खुशियां मनाई । इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने शुभकामनायें प्रेषित की। वृद्धजनों को भोजन कराया गया। डॉ. आलोक गोस्वामी द्वारा वृद्धाश्रम में पंखों का वितरण किया गया।

पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा मध्यप्रदेश शासन के पंचायत व ग्रामीण विकास श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस अवसर पर मेरी ओर से और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओ की ओर से मंत्री जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामना?। उनका नेतृत्व आगे बढ़ता रहे ऐसी प्रभु से कामना है, वृद्धाश्रम में भोजन की व्यवस्था आलोक गोस्वामी द्वारा, कुछ सामग्री जो यहॉ कमी थी उसकी भी व्यवस्था की गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा दमोह क्षेत्र के पूर्व सांसद वर्तमान मध्यप्रदेश शासन में मंत्री प्रहलाद पटेल का जन्मदिवस है, इस अवसर पर हम सभी कार्यकर्ताओं ने आलोक गोस्वामी के मार्गदर्शन में वृध्दाआश्रम में फल वितरण और भोजन कराकर उनके प्रति हार्दिक शुभकामना? व्यक्त की है।

डॉ. अलोक गोस्वामी ने कहा मंत्री प्रहलाद पटेल जी के साथ रहकर हमने गौ संरक्षण, पर्यावरण, वृक्षारोपण के विषय में ज्ञान अर्जित किया है, उनके जन्मदिवस के अवसर पर उनकी दीघार्यु, शतायु होने की कामना करते है, मॉ नर्मदा का आर्शीवाद ऐसा ही सदैव उन पर बना रहे।

कमल (राजू) ठाकुर ने कहा हम सभी लोग मंत्री जी का जन्मदिवस मनाने के लिये वृध्दाआश्रम आये है, इस अवसर पर वृध्दो को भोजन व अन्य सामग्री वितरित की गई। पं. नरेन्द्र दुबे ने कहा आज हम सभी लोगो के लिये बहुत सुखद और शुभ अवसर है, पंचायत मंत्री जी का जन्मदिवस है, आज के दिन हम सभी कामना करते है, वह दीघार्यु, शतायु हो। प्रकृति, संत महात्मा, संस्कृति, समाज के साथ जिस शिद्दत के साथ वह काम कर रहे है, वह काम करते है, हम सभी को प्रोत्साहित करें, मार्गदर्शित करें बहुत-बहुत शुभकामना?। इसके पूर्व प्रात:-समन्ना में पंचायत मंत्री श्री पटैल के जन्मदिन अवसर पर सुशील गुप्ता द्वारा फार्म हाउस पर पौधरोपण किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पं. कमलेशानंद जी महाराज, नरेन्द्र बजाज, डॉ.आलोक गोस्वामी, अनुपम सोनी, पं.सतीश तिवारी, पवन तिवारी, पंडित संजय गौतम रामेश्वर चौधरी, पं. नरेन्द्र दुबे, कैलाश शैलार, यशपाल सिंह ठाकुर, कमल (राजू) ठाकुर, इंजीनियर अमर सिंह राजपूत, नीलेश सोनी, गिरजा साहू, वर्षा रैकवार, छाया साहू, नर्मदा सिंह एकता, मनीष सोनी रमाकांत बाजपेयी, डॉ केदार शर्मा, मोंटी रैकवार, अनिल कोटवानी, पप्पू पटवारी, राजेन्द्र चौरसिया, श्याम दुबे, अरूण सोनी, प्रीतम चौकसे, मुन्ना सोनी ,ध्रुव सोनी ,सुरेंद्र मिश्रा, महेश पटेल, राजेंद्र असाटी , गोलू सोनीसहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। इसी क्रम में श्री शिव साई मंदिर बेलाताल टापू में संगीतमय सुदरकांड का आयोजन भी किया गया।

अब जनता क्यूआर कोड स्कैन कर पुलिस की कार्यप्रणाली और व्यवहार का फीड बैक दे सकेगी

इंदौर। आम जनता की समस्यों के त्वरित निराकरण व पुलिस की कार्यप्रणाली एवं व्यवसायिक दक्षता को और बेहतर करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा आम नागरिकों की सुविधा के लिए फीडबैक क्यूआर कोड बनाया गया है। यह आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए हर थाने पर लगाएं जाएंगे। इस फीडबैक क्यूआर कोड का लोकार्पण रविवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने ज़ोनल समीक्षा बैठक के दौरान किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (काव्य) अमित सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप/मुख्या) मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस फीडबैक क्यूआर कोड के संबंध में जानकारी देते हुए डीजीपी ने बताया कि ये क्यू आर कोड शहर के प्रत्येक थाने पर लगाएं जाएगें। इसके जरिए जनता का पुलिस से सीधा संवाद होगा। आम नागरिक अपनी समस्याओं व शिकायत लेकर थाने पर आता है, तो पुलिस का उसके साथ कैसा व्यवहार होता है! उसकी समस्या पर पुलिस ने क्या कार्यवाही की और आवेदक पुलिस की कार्यप्रणाली से संतुष्ट है या नहीं! इस संबंध में अपनी राय को इस क्यूआर कोड को स्कैन कर अपना फीडबैक दे सकता है।

जनता का फीडबैक वरिष्ठ अधिकारियों व कार्यालय में स्थित मॉनिटरिंग सेल में जाएगा। जिस पर फीडबैक के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। आम नागरिक अपना फीडबैक देकर पुलिस की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

जिस पर डीजीपी ने उक्त सर्टिफिकेट संबंधित थानों व अधिकारियों को समर्पित करते हुए, सभी को बधाई दी। साथ ही इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान कर, ऐसे ही पूर्ण लगन व मेहनत से बेहतर पुलिसिंग करने के लिये सदैव प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होनें आम नागरिकों के हितों में इंदौर पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष बनी संगीता सोनी सचिव दीपिका, शपथ ग्रहण हुआ संपन्न

आष्टा। अंतर्राष्ट्रीय संस्था इनरव्हील क्लब अपनी समाजसेवा करने के लिए अपनी अलग पहचान बनाता है, यह संस्था गरीबों की मदद के साथ शिक्षा के क्षेत्र में, जनहित के कार्यो में भी हमेशा सक्रिय रहता आया है। इसी कड़ी में आष्टा इनरव्हील क्लब की पूर्व अध्यक्षा का कार्यकाल पूर्ण होने पर नवनिर्मित अध्यक्ष के चयन हुआ। इनरव्हील क्लब के शपथ ग्रहण आयोजन में सर्वप्रथम श्री गणेश का वंदन किया गया और इनरव्हील प्राथना के साथ आरम्भ हुआ। जिसके पश्चात पूर्व अध्यक्ष रीना शर्म ने उनके कार्यकाल में किए गए सामाजिक कार्यों की जानकारी देते हुए आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया तत्पश्चात नव अध्यक्षा श्रीमती संगीता सोनी को कालर पहना कर पद सौंपा। इसके साथ ही संगीता सोनी ने अपनी नई कार्यकारणी की भी घोषणा की जिसमें उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सोनी, कोषाध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा पालीवाल, आईएसओ जयश्री शर्मा, एडिटर अर्चना सोनी ने अपने पद की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर नवनिर्मित अध्यक्ष संगीता सोनी ने कहा कि इनरव्हील क्लब का अध्यक्ष बनना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती हैं इसको में पूर्ण रूप से जिम्मेदारी के साथ क्लब ने नियमों का पालन कर सामाजिक सेवा में अग्रणी रहने का प्रयास करूंगी और क्लब के प्रोजेक्ट को भी प्राथमिकता से पूरा करूंगी।

सिवनी से अजमेर दयोदय ट्रेन हो प्रारंभ रेलवे के डीएम से विकास समिति ने की चर्चा

सिवनी। दक्षिण पूर्वी रेल्वे मंडल नागपुर के डीएमओ दीपक कुमार गुप्ता का सिवनी रेल्वे स्टेशन में अल्प प्रवास हुआ इस दौरान रेलवे विकास समिति के अध्यक्ष धनश्याम सनोडिया कोषाध्यक्ष दीपक पंजाबी संयोजक विनय सराफ सदस्य राज साहू विशाल कश्यप राज कश्यप नवयुवक अध्यक्ष अंचल चौरसिया सत्यम सूर्यवंशी की उपस्थिति में लगभग 30 मिनट तक सिवनी के रेल विस्तार पर चर्चा की गई। रेल्वे विकास समिति के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सिवनी से प्रतियोगी परीक्षा हेतु युवाओ को कोटा जाना पड़ता है तथा तीर्थ की दृष्टि से अजमेर शरीफ भी अक्सर लोग जाते है इसके लिए जबलपुर से अजमेर के लिए चलने वाली दयोदय ट्रेन को सिवनी से चलाये जाने की मांग रखी गई है।

इसी तरह सिवनी से चलने वाली ट्रेनों का समय चार्ट इस तरह बनाया जाये जिससे लोग नैनपुर से रायपुर की यात्रा भी सुलभता से कर सकें। इसी तरह हाल ही में पंचव्हेली ट्रेन का मार्ग बढाया गया है और इसका लाभ अधिक लोगों को मिल सके इस बात को ध्यान में रखते हुए पंचव्हेली ट्रेन में जनरल कोच ऐसी कोच के डिब्बों की संख्या बढ़ाये जाने की मांग भी रखी है।

समिति ने डी एम के समक्ष व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मालवाहक की सुविधा व्यापारियों को प्रदान किये जाने की मांग रखी है, रेल्वे विकास समिति के द्वारा रखी गई बातों पर उन्होंने कहा कि आपकी मांग हम संबंधित जनों तक पहुंचायेगे और प्रयास करेंगे कि ये मांग पूरी हो। हमारा प्रयास है कि जिस तरह से युद्ध स्तर पर रेल्वे की टीम ने यहां पर काम किया है और शेष रह गये कार्यो को पूर्ण कराना हमारी प्राथमिकता मे है फिलहाल हम यहां अवलोकन के लिए यहां आये थे और यह कार्य के साथ साथ आपकी क्षेत्र हित में रखी मांग को भी पूरा करने के लिए प्रयास करेंगे।

जबेरा विधानसभा के ग्राम चंडी चौपरा पहुंचे मंत्री लोधी हुए विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल

दमोह जिले की जबेरा विधानसभा से विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी निरंतर ग्राम में प्रवास कर रहे हैं इसी दौरान रविवार को जनपद जबेरा के ग्राम चंडी चौपरा पहुंचे जहां 3.3 करोड़ रुपए की लागत से बने 33/11 के व्ही उप केंद्र का निरीक्षण किया। चौपरा में 3 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कहो औचिक निरीक्षण किया जहां निर्माण कर रहे कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देशित दिए।

पटी महाराज में 27 लाख रुपए की लागत से बने नवीन आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पणक किया

एवं सरस्वती स्कूल प्रांगण चोपरा में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम के समापन अवसर पर सम्मिलित हुए जय अभियान एक माह पहले शुरू हुआ था जिसका समापन किया गया।

नोहटा वन चौकी में पहुंच कर एक पेड़ मां के नाम के तहत 30 पौधों का रोपण किया। मंत्री लोधी ने बताया कि चौपरा में लंबे समय से नवीन विद्युत उपकेंद्र की मांग की जा रही थी और जब मैं पहली बार विधायक बना तो ऊर्जा मंत्री से इस केंद्र को स्वीकृत कराया और आज बनकर तैयार है इसके निर्माण से लगभग 24 ग्रामों को बिजली सप्लाई की सुविधा प्राप्त हो रही है निश्चित ही एक बड़ी उपलब्धि है।

फिर मांग की गई की एक अस्पताल बनाया जाए जिसको मैंने स्वीकृत कराया और आज 3.3 करोड़ रुपए की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग का निर्माण कार्य निरंतर जारी है निश्चित ही स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से लगभग 30 ग्रामों को स्वास्थ सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा पहले मरीज को इलाज के लिए जबेरा या नोहटा जाना पड़ता था जिससे समय और पैसे अधिक खर्च होते थे लेकिन अब समय के साथ पैसों की भी बचत होगी और स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त होंगी। नवीन आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण 27 लाख रुपए की लागत से किया गया है जिसमें बच्चे शिक्षा के साथ पोस्ट का हार भी प्राप्त करेंगे और पति महाराज सिंह ग्राम के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। जल गंगा संवर्धन योजना के माध्यम से जनपद जबेरा में 4 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत से पुरानी बावड़ी कुआ तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया।धरती आवाज योजना के माध्यम से जनपद जबेरा के 113 ग्रामों को जोड़ा गया है इन ग्रामों में 2 करोड़ से अधिक की राशि से ग्राम में विभिन्न कार्य किए जाएंगे। वन मंडल अधिकारी मानक पुरी, वन परिक्षेत्र अधिकारी अखिलेश चौरसिया, परिक्षेत्र सहायक नोहटा रशीद कुरैशी,नवल किशोर पटैल अशोक कोरी।

सांसद प्रतिनिधि रुपेश सेन, जबेरा मंडल अध्यक्ष बंटी दुबे,नोहटा मंडल अध्यक्ष सत्यपाल सिंह,वरिष्ट कार्यकर्ता कमल सिंघई,नर्मदा प्रसाद राय जनपद सदस्य इंद्रजीत सिंह, सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र वासियों की उपस्थिति रही।

तिलक सिंदूर के वन में ,सैनिक स्कूल के छात्रों का शैक्षिक भ्रमण

नपा अध्यक्ष ने इटारसी में बच्चों से की मुलाकात

सांध्य प्रकाश, इटारसी। गोविंद नगर बनखेड़ी सैनिक स्कूल के छात्रों ने हाल ही में तिलक सिंदूर वन क्षेत्र, नर्मदापुरम का एक सफल शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रकृति और वनस्पतियों के बारे में गहन जानकारी देना और स्थानीय मंदिर के दर्शन कराना था। इस शैक्षिक यात्रा के दौरान, छात्रों को वन क्षेत्र के बारे में विस्तृत जानकारी मिली। एसडीओ रामकिशोर चौरे ने उन्हें वन में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों और जीव-जन्तुओं से अवगत कराया। रेंजर महेंद्र गौर ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया, जिससे उन्हें वन पारिस्थितिकी तंत्र को समझने में मदद मिली।

स्कूल के अधिकारियों का सहयोग

यह पूरा भ्रमण कार्यक्रम स्कूल के प्रबंधक धर्मेंद्र गुर्जर के विशेष मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्राचार्य विष्णु श्रीवास्तव, सैनिक स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी सूबेदार श्री सिया शरण मिश्रा, और छात्रावास अधीक्षक आनंद चौरसिया ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सूबेदार सिया शरण मिश्रा ने छात्रों को तिलक सिंदूर वन क्षेत्र से संबंधित विभिन्न ऐतिहासिक और प्राकृतिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। समस्त स्कूल स्टाफ के सहयोग से यह शैक्षिक भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गोविंद नगर स्कूल के छात्रों और शिक्षकों ने इस भ्रमण को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष, इटारसी, श्री पंकज चौरे का हार्दिक धन्यवाद किया। श्री चौरे जी ने बच्चों को खाने-पीने की व्यवस्था (खाना और नाश्ता) कराई और उन्हें तिलक सिंदूर के महत्व और इतिहास के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही, वन विभाग की टीम ने भी इस अनुभव को यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भ्रमण का उद्देश्य और निष्कर्ष

इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रकृति के करीब लाना और उन्हें वन क्षेत्र के महत्व से परिचित कराना था। छात्रों ने इस यात्रा से बहुत कुछ सीखा और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला। गोविंद नगर स्कूल के छात्रों के लिए यह शैक्षिक भ्रमण एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। स्कूल प्रशासन आशा करता है कि इस तरह के अनुभवों से छात्रों को भविष्य में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी और वे प्रकृति के प्रति अधिक संवेदनशील बनेंगे।

बच्चों के की सफाई

यहां बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाया एवं मंदिर परिसर में फैला कचरा भी उठाया।

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन आज हो रहे रिटायर, 3 वरिष्ठ IAS रेस में

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन आज रिटायर हो रहे हैं। मुख्य सचिव की रेस में 3 वरिष्ठ IAS अधिकारियों के नाम चर्चा में है। वैसे तो वरिष्ठता और पात्रता के अनुसार 7 IAS अधिकारी इस दौड़ में शामिल हैं लेकिन मुख्य रूप से तीन अधिकारियों के नाम ही चर्चा में है। प्रशासनिक और राजनीतिक क्षेत्र के सभी लोगों की निगाहें मुख्यमंत्री की और है जो आज इस संबंध में निर्णय लेंगे। माना जा रहा है कि नए ष्टस के आज आदेश जारी हो जाएंगे। राज्य में 7 वरिष्ठ IAS अधिकारी इस पद के लिए पात्र हैं, लेकिन दौड़ में असल मुकाबला तीन नामों के बीच माना जा रहा है। ये है- मनोज पिंगुआ, सुब्रत साहू और अमित अग्रवाल। मनोज पिंगुआ 1994 बैच के IAS अधिकारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वे मुख्यमंत्री सचिवालय की पहली पसंद माने जा रहे हैं। पता चला है कि वे दिल्ली में पीएमओ अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं।

प्लस: साफ-सुथरी छवि, शांति और विनम्रता के लिए प्रसिद्ध।

माइनस: धीमी कार्यशैली और तत्काल निर्णय में कमी को लेकर भाजपा खेमे के कुछ नेता असहज।

सुब्रत साहू 1992 बैच के IAS अधिकारी हैं। वरिष्ठता में दूसरे नंबर पर हैं। सहकारिता और धार्मिक न्यास जैसे विभागों में ACS।

प्लस: प्रशासनिक कुशलता और कार्यकुशलता में मजबूत।

माइनस: भूपेश सरकार में मुख्यमंत्री सचिव रहने का टैग भाजपा के लिए चिंता।

अमित अग्रवाल 1993 बैच के IAS अधिकारी हैं। इस समय दिल्ली में औषधि विभाग के सचिव है उन्हें पीएमओ का अनुभव भी है। अग्रवाल को कार्य कुशल और परिणाम देने वाले अधिकारियों में माना जाता है लेकिन उनका एक ही माइनस पॉइंट है कि वे छत्तीसगढ़ से 9 सालों से बाहर हैं और केंद्र में पदस्थ हैं। केंद्र सरकार में उनके कई कामों को अनेकों बार सराहा भी है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार में लंबे समय तक रहने से राज्य शासन के लिए उनकी पदस्थापना बहुत कारगर सिद्ध हो सकती है। रेणु पिल्ले 1991 बैच की सबसे सीनियर IAS अधिकारी है, पर, पता चला है कि प्रैक्टिकल निर्णयों की कमी ने उन्हें रेस से बाहर किया है। ऋचा शर्मा (1994 बैच)=कार्यशैली में जटिलता और संवाद की कमी। निधि छिब्बर (1994 बैच)=केंद्र में सचिव, परिवार दिल्ली में लौटने की संभावना कम। विकासशील (1994 बैच)= एशियाई विकास बैंक के कार्यकारी निदेशक के तौर पर कार्यरत, लौटने से इनकार कर चुके हैं। इस विश्लेषण को देख कर कहा जा सकता है कि IAS मनोज पिंगुआ की संभावना सबसे ज्यादा है लेकिन अगर केंद्र का दखल रहा तो अमित अग्रवाल भी प्रदेश की सबसे बड़ी प्रशासनिक कुर्सी पर बैठ सकते हैं। जो भी हो, आज दिन में कभी भी आदेश हो सकते है, तब तक इंतजार कीजिए और कयास लगाते रहे!

विभागों की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय वल्लभ-भवन भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का कार्यालय: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर सूरत में इन्टरैक्टिव सेशन को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15,710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए हैं। इन प्रस्तावों के फलीभूत होने पर 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत ऐतिहासिक रूप से देश- दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह इन्टरैक्टिव सेशन आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर होटल मेरियट सूरत में आयोजित इन्टरैक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में राज्य के औद्योगिक विकास के दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के भौगोलिक विस्तार, औद्योगिक क्षमताओं, अधोसंरचना और नीतिगत नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की 39 प्रतिशत कृषि विकास दर, विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक स्किलस से युक्त मानव संसाधन और पर्याप्त खनिज उपलब्धता राज्य को सभी सेक्टर्स के लिए उपयुक्त बनाते हैं। प्रदेश में वस्त्र उद्योग, फार्मास्युटिकल, स्वास्थ्य, पर्यटन सहित सभी क्षेत्रों में विस्तार की पर्याप्त संभावना है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से सीधे संबंधित के बैंक खाते में पहुंचनी चाहिए। सरकार ने छोटे और बड़े सभी कारोबारियों को उनके हक का एक-एक रुपया भेजने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात भारत ही नहीं दुनिया में सिरमौर है। उन्होंने महात्मा गांधी और सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कुछ ही वर्षों में विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में शामिल हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज सुरक्षित और समृद्ध है। अयोध्या में बना भव्य श्रीराम मंदिर, महाकाल महालोक और वाराणसी का बदला स्वरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की आभा का विस्तार कर रहा है। गुजरात ने ही देश को सरदार वल्लभ भाई पटेल और श्री अमित शाह जैसे विलक्षण गृह मंत्री दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात वासियों ने अपनी क्षमता, योग्यता और प्रबंधन के बलबूते पर व्यापार, उद्योग और तकनीक के क्षेत्र में श्रेष्ठता स्थापित की है। गुजरात वासियों ने देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। न्यूनतम संसाधनों में श्रेष्ठतम जीवन जीने और व्यापार- उद्योग संचालन के उनके कई उदाहरण सभी के सामने हैं। मध्यप्रदेश के पन्ना से निकला हीरा गुजरात के सूरत में ही तराशा जाता है, इसी प्रकार मध्यप्रदेश भले ही कॉटन केपिटल हो लेकिन कपड़ा और साड़ी उद्योग तो सूरत से ही संचालित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सूरत सहित गुजरात के उद्योग समूहों की गतिविधियों का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हो इसी उद्देश्य से यह इन्टरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया है। राज्य सरकार उद्योग-व्यापार तथा निवेश गतिविधियों के विस्तार में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेक्सटाइल, केमिकल, फार्मा, इंजीनियरिंग और जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर के 18 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों/कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से वन-टू-वन बैठक में विस्तृत चर्चा की।

गेहूं, सोयाबीन, चना, सरसों और सब्जियों के ताज़ा रेट

30 जून 2025 का ताज़ा मंडी भाव जानिए, जहां गेहूं, चना, सोयाबीन, मक्का, सरसों और सब्जियों के भावों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। किसानों और व्यापारियों के लिए यह जानकारी बेहद जरूरी है ताकि सही समय पर खरीदी-बिक्री कर सकें। जानें आज के प्रमुख मंडियों के रेट।

30 जून 2025 का मंडी भाव सामने आ चुका है और आज भी कई फसलों के दामों में हलचल देखी गई है। किसानों के लिए यह जानकारी इसलिए भी ज़रूरी है ताकि वे फसल की सही कीमत का अनुमान लगा सकें और मुनाफा कमा सकें। हर मंडी में रेट अलग-अलग रहे हैं।

गेहूं, चना, सरसों, सोयाबीन और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के भावों में आज हल्की गिरावट तो कहीं-कहीं मामूली बढ़त देखी गई। वहीं, सब्जियों के रेट में मौसम का असर भी साफ नजर आया। आइए जानते हैं देश की अलग-अलग मंडियों में आज किस फसल के कितने रहे दाम।

अनाज भाव क्विंटल के अनुसार

सोयाबीन- 3275 से 3700
गेहूं- 2890 से 3055
गेहूं सुजाता- 2700, मक्का- 3200 से 3800
डॉलर चना- 6250 से 9800
देसी चना- 5170 से 7500
चना कांटा- 4200, आमचूर- 3100
मसूर- 4380 से 6900, मूंग- 4270 से 7700
मूंग एवरेज- 4230 से 6200
तुअर- 3050 से 6400
तुअर सफेद महाराष्ट्र- 2180 से 6800
निमाड़ी तुअर- 3100 से 5800
सरसों- 3070 से 5250
सरसों निमाड़ी- 3150 से 5500
उड़द बोल्ड- 6000
उड़द मीडियम- 6050 से 7500
हलका उड़द- 5080 से 7420

सब्जी भाव 10 किलो के अनुसार

सेब- 4300 से 13200, केला- 610 से 1500
टमाटर- 816 से 1800, कद्दू- 215 से 600
खीरा- 560 से 800, करेला- 700 से 700
लौकी- 220 से 500, बेंगन- 360 से 340
फूल गोभी- 210 से 1000, अदरक- 580 से 700
हरी मिर्च-1030 से 3000, पत्ता गोभी- 220 से 800
सहजन- 270 से 500, धनिया- 235 से 800
शिमला मिर्च - 200 से 700, टेंसी- 140 से 300
नींबू-1530 से 4500

आलू भाव 10 किलो के अनुसार

एक्स्ट्रा सुपर आलू- 3000 से 3600
गुल्ला आलू- 3100 से 4100
ज्योति आलू- 1100 - 1800
चिप्सोना आलू- 910 - 1500
छंटन आलू- 1100 से 2000

प्याज भाव क्विंटल के अनुसार

एक्स्ट्रा सुपर प्याज- 4100 से 5000
सुपर प्याज- 4000 से 4500
एवरेज प्याज- 3100 से 3800

लहसुन भाव क्विंटल के अनुसार

एक्स्ट्रा सुपर लहसुन- 20600-28000
सुपर लहसुन- 14300 से 19000
एवरेज लहसुन- 13400 से 17000
मीडियम लहसुन- 11700 से 15000
हलकी लहसुन- 5100 से 11000

तनावमुक्त जीवन के लिए कर्ज प्रबंधन के स्मार्ट तरीके, सिविल स्कोर और इमरजेंसी फंड बनाए रखें

आजकल हर परिवार होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड और एजुकेशन लोन जैसे कर्ज लेता है। अर्थव्यवस्था के लिए ये कर्ज नए पैसे को सिस्टम में लाने का एक जरिया हैं। लेकिन, मध्यम वर्ग परिवारों के लिए इन कर्ज पर लगने वाला ब्याज उनकी आर्थिक स्थिति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। आरबीआई फरवरी से अब तक रेपो दर में कुल एक फीसदी की कटौती कर चुका है।?यह मौजूदा कर्जदारों के लिए बड़ी राहत है, बशर्ते बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाएं। आइए समझते हैं कि ब्याज दरों में कमी के इस दौर में हम अपने कर्ज का प्रबंधन स्मार्ट तरीके से कैसे कर सकते हैं।

वेरिएबल इंटरेस्ट तो सस्ता होगा कर्ज

अगर आपका लोन वेरिएबल इंटरेस्ट रेट पर है, यानी ब्याज दर रेपो रेट के हिसाब से ऊपर-नीचे हो सकती है (जैसे होम लोन, एजुकेशन लोन), तो आपका कर्ज सस्ता हो सकता है। लेकिन, ज्यादातर मामलों में पर्सनल और कार लोन की ब्याज दरें कर्ज लेते समय फिक्स्ड होती हैं।?यानी रेपो दर के बढ़ने-घटने का ब्याज दर पर कोई?असर नहीं होता है।?

कर्ज प्रबंधन के गोल्डन नियम

कर्ज तभी लें, जब वाकई जरूरत हो-घर या कार खरीदने के लिए कर्ज लेना ठीक है, लेकिन विदेश में छुट्टियां मनाने या आईफोन खरीदने के लिए पर्सनल लोन लेना सही नहीं है। ऐसी चीजों के लिए पहले से प्लान करें और हर महीने थोड़ी-थोड़ी बचत कर बाद में खर्च करें। अच्छा क्रेडिट स्कोर आसानी से कर्ज दिला सकता है और थोड़ी छूट भी मिल सकती है। इसलिए, अपने क्रेडिट स्कोर पर नजर रखें और भुगतान में चूक से बचें।कुल ईएमआई को मासिक आय के 40 फीसदी से कम रखें -इससे आप भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों के लिए निवेश कर पाएंगे और घरेलू खर्चों को बिना परेशानी के मैनेज कर सकेंगे।

पुराने कर्ज चुकाने के लिए नया लोन न लें

जब तक नया लोन वाकई बड़ा फर्क न ला रहा हो, बार-बार लेंडर बदलने से बचें। इसके बजाय, एक लेंडर के साथ रहें और जितनी जल्दी हो सके, कर्ज चुकाएं। हमेशा कम-से-कम 3 से 6 महीने का इमरजेंसी फंड रखें, जिसमें ईएमआई सहित मासिक खर्च शामिल हों। इस राशि का इस्तेमाल सिर्फ नौकरी छूटने या मेडिकल खर्च जैसी वास्तविक आपातकालीन स्थिति में करें।

पुराने कर्ज पर ऐसी होनी चाहिए रणनीति

अगर कर्ज वेरिएबल इंटरेस्ट रेट पर है, तो आपके पास दो विकल्प होते हैं।आपको ईएमआई की राशि कम करने या लोन की अवधि घटाने के बीच किसी एक को चुनना होता है। यह फैसला उलझन भरा होता है। लेकिन, अगर आप ईएमआई राशि कम करने की जगह लोन अवधि घटाने का विकल्प चुनते हैं, तो यह समझदारी भरा फैसला होता है, क्योंकि आप पहले से ही वह राशि हर महीने अपनी आय से चुका रहे थे। ईएमआई कम कराने से खास बचत नहीं होती।

बैलेंस ट्रांसफर में इन बातों का रखें ध्यान

कई बैंक बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प देते हैं। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। जैसे बैंक की सेवा अच्छी है या नहीं, बैंक शाखा घर के नजदीक हो, ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध है या नहीं। सबसे अहम प्रोसेसिंग फीस, मोरगेज चार्जेस आदि कितने हैं। बैलेंस ट्रांसफर का फैसला लेते समय देखें कि सारे शुल्क जोड़ने के बाद यह फायदेमंद है या नहीं। इसे राधिका चोपड़ा के उदाहरण से समझते हैं। राधिका का होम लोन चल रहा है, जिसकी बकाया राशि 12.38 लाख रुपये है। इस पर वह 9 फीसदी ब्याज दर के साथ 19,800 रुपये की ईएमआई भर रही हैं।?कर्ज अवधि 7 साल है।

अब अगर वह दूसरे बैंक में बैलेंस ट्रांसफर करती हैं, जहां 8 फीसदी ब्याज दर है।इससे उन्हें 80,000 रुपये की ब्याज बचत हो सकती है। लेकिन, लोन ट्रांसफर के बजाय अगर वह मौजूदा ईएमआई को हर माह 1,500-2,000 रुपये बढ़ा दें, उन्हें 50-60 हजार की ब्याज बचत हो सकती है। इस प्रकार, अगर ब्याज दर में एक फीसदी से ज्यादा बचत हो रही हो और आपकी बकाया अवधि 7-10 साल से अधिक हो, तभी बैलेंस ट्रांसफर पर विचार करना चाहिए।

एलन मस्क के जन्मदिन पर टेस्ला ने लॉन्च की अनोखी कार

टेक्सास। अमेरिकी ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने अपने जन्मदिन ऐतिहासिक कार लॉन्च की है। टेस्ला की यह %मॉडल ङ्घ%कार फुली ऑटोनॉमस (खुद चलने वाली) है। अमेरिका के टेक्सास स्थित फैक्ट्री से डिलीवरी के बाद बिना ड्राइवर या ऑपरेटर के खुद चलकर ग्राहक के घर पहुंची। कार की शुरुआती कीमत 34 लाख बताई गई। इस फुली सेल्फ-ड्राइविंग इलेक्ट्रिक कार की डिलीवरी टेक्सास में की गई। टेस्ला ने ङ्घ (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कार को ट्रैफिक सिग्नल, पैदल यात्रियों और वाहनों को पहचानते हुए नेविगेट करते देखा गया। टेस्ला के ऑटोपायलट हेड अशोक एलुस्वामी के अनुसार, कार ने इस दौरान 72 मील प्रति घंटा (116 केएमपीएच) की टॉप स्पीड भी हासिल की। एलन मस्क का सपना है कि टेस्ला कार मालिक अपनी कार को खाली समय में रोबोटैक्सी नेटवर्क पर लिस्ट कर कमाई कर सकें। इससे एक ग्लोबल ऑटोनॉमस टैक्सी फ्लीट बनाई जा सकेगी। एलन मस्क ने जिस फ्यूचरिस्टिक परिवहन प्रणाली की परिकल्पना की थी, वह अब हकीकत बनती जा रही है।

यूनियन कार्बाइड का 337 मीट्रिक टन जहरीला कचरा जलकर खाक, 750 टन राख निकली

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी के 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे से आखिर निजात मिल गई है। यह कचरा पीथमपुर के रामकी संयंत्र में 55 दिनों में पूरी तरह से जल गया है। अब इसके जलने के बाद 750 टन राख बची है, जिसे लैंडफिल करने का काम दिसंबर माह से किया जाएगा।

हाईकोर्ट इंदौर ने इस कचरे को जलाने के लिए अधिकतम 70 दिन का समय तय किया था। लेकिन संयंत्र में यह काम 55 दिनों में नियंत्रित तरीके से पूरा कर लिया गया। कचरा जलने के बाद बची हुई राख को एक-एक टन के एचडीपीई बैग में सुरक्षित रखा गया है, जिससे किसी तरह का लीक नहीं हो। इन्हें लीक प्रूफ स्टोरेज में रखा गया है। इसे लैंडफिल के लिए अब प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। बताया गया है कि भोपाल में यूका कचरे के साथ वहां की मिट्टी भी थी, जिसे पैकिंग बैग में लाया गया था। इसे भी नष्ट किया जाएगा। इन सभी की प्रक्रिया दिसंबर माह में होगी।

इस तरह चली प्रक्रिया: हाईकोर्ट के आदेश से कचरे को 12 कंटेनर में जनवरी में पीथमपुर में लाया गया। हाईकोर्ट के आदेश पर पहले 10-10 मीट्रिक टन को जलाकर देखा गया है। यह काम 28 फरवरी से 12 मार्च के बीच हुआ। इसकी रिपोर्ट सही आने पर बाकी बचे कचरे को जलाने के आदेश हाईकोर्ट ने दिए थे। यह काम 5 मई से शुरू किया गया। 29 जून रात डेढ़ बजे आखिरी खेप 270 किलो कचरा संयंत्र में डाला गया और सुबह चार बजे जलाने का काम पूरा हुआ।

रोहित से लेकर सूर्यकुमार तक...भारतीय खिलाड़ियों ने इस तरह याद किए खिताबी जीत के पल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी थी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया था।

आज ही के दिन एक साल पहले भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतकर बारबाडोस में तिरंगा लहराया था। रोहित शर्मा की अगुआई में टीम इंडिया ने फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के सूखे को समाप्त किया था और करोड़ों देशवासियों को खुश होने का मौका दिया था। अब रोहित शर्मा से लेकर सूर्यकुमार यादव तक ने भारतीय टीम की जीत के ऐतिहासिक पलों को याद किया है।

भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी थी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया था। भारत ने इससे पहले 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वहीं, भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप और 13 साल बाद कोई विश्व कप जीता था। 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था।

सिर्फ आधी कंपनियों को ही मिला दूरसंचार विनिर्माण प्रोत्साहन, 31 मार्च तक 1162 करोड़ रुपये का वितरण

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में दूरसंचार विभाग ने कहा, 31 मार्च तक योजना के तहत कुल 1,162.03 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन जारी किया गया है। इस योजना के तहत कुल 4,115 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन निर्धारित किया था। योजना अवधि के दौरान 2.45 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री और 44,000 से अधिक अतिरिक्त रोजगार सृजित होने का अनुमान है। दूरसंचार विनिर्माण से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्र 42 कंपनियों में सिर्फ 21 को ही 31 मार्च, 2025 तक प्रोत्साहन मिला है। वहीं, दो कंपनियों कोरल टेलीकॉम लि. और अल्फियन इंडिया प्राइवेट लि. के आवेदन को पात्रता सीमा मानदंड को पूरा नहीं करने के कारण खारिज कर दिया। लाभार्थियों में से एक ने कहा, कुछ दूरसंचार गियर निर्माता सिर्फ आयातित उत्पादों को अपना लेबल लगाकर बेच रहे थे, जिससे पीएलआई योजना के तहत उत्पादन और मार्जिन प्रभावित हो रहे थे। ब्रॉडबैंड गियर निर्माता के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, योजना की मंशा को प्रभावित करने वाली ऐसी अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी जरूरी है।

एमपी में यहां हैं सबसे बड़ा कपड़ों का बाजार, स्टाइलिश कपड़ों का है खजाना

इंदौर। मध्य प्रदेश को यूं ही भारत का दिल नहीं कहा जाता। यह राज्य न केवल भौगोलिक दृष्टि से देश के मध्य में स्थित है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरें, पारंपरिक पोशाकें, खानपान और लोगों की जीवनशैली इसे एक अलग पहचान देती हैं। यहां हरे-भरे पहाड़, मनोरम जलप्रपात, और आध्यात्मिक स्थलों की भरमार है, जो पूरे साल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। स्वच्छता में देशभर में अव्वल आने वाला राज्य होने के साथ-साथ यहां की राजधानी को भिखारी मुक्त बनाने का अभियान भी तेजी से चल रहा है। राजनीति में भी यह राज्य उत्तर प्रदेश के बाद काफी सक्रिय माना जाता है।

मध्य प्रदेश में एक से बढ़कर एक शहर हैं, जिनकी अपनी अलग पहचान और विशेषताएं हैं। भोपाल जहां झीलों के लिए जाना जाता है, वहीं उज्जैन अपनी धार्मिक महत्ता के कारण श्रद्धालुओं का केंद्र है। ग्वालियर का किला इतिहास की गवाही देता है, जबलपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, और नर्मदापुरम की वादियां हर प्रकृति प्रेमी को मोहित कर लेती हैं। इन सबके बीच इंदौर एक ऐसा शहर है, जिसे कपड़ों के शहर के रूप में जाना जाता है। इंदौर केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में अपनी स्वच्छता, व्यापारिक गतिविधियों और फैशन के लिए जाना जाता है। लगातार कई वर्षों से यह भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जा चुका है। यहां का कपड़ा बाजार इतना विशाल और विविधता से भरपूर है कि इसे 'मिनी मुंबई' कहा जाता है। यहां फैशन का वही ट्रेंड देखने को मिलता है, जो मुंबई जैसे मेट्रो शहरों में चलता है। इंदौर के निवासी भी आधुनिक जीवनशैली और लेटेस्ट फैशन को बड़ी तेजी से अपनाते हैं। इंदौर का कपड़ा बाजार एक ऐसी जगह है, जहां हर वर्ग का ग्राहक कुछ न कुछ अपनी पसंद का जरूर पा जाता है। यहां ब्रांडेड से लेकर लोकल फैशन तक, हर प्रकार की वैरायटी उपलब्ध है। सस्ते रेट पर ट्रेंडी कपड़े चाहिए हों या किसी खास मौके के लिए डिज़ाइनर आउटफिट, हर जरूरत का सामान यहां मौजूद है।

यही वजह है कि न केवल मध्य प्रदेश, बल्कि देश के अन्य राज्यों से भी लोग यहां थोक और खुदरा खरीदारी करने आते हैं। इंदौर के बाजार सिर्फ खरीदारी के लिए ही नहीं, बल्कि व्यापारियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण केंद्र हैं। यहां बड़े-बड़े थोक व्यापारी अपने स्टॉक मंगवाते हैं और खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचाते हैं। इंदौर का यह व्यापारिक नेटवर्क इसे फैशन और टेक्सटाइल इंडस्ट्री का मजबूत स्तंभ बनाता है।

दादाधाम एक्सप्रेस मनमाड़ तक चले

शिर्डी के दर्शन भी आसान होंगे

छिंदवाड़ा। नागपुर से खंडवा चलने वाली दादाधाम एक्सप्रेस को शीघ्र प्रारम्भ करने की मांग पांढुर्ना के विधायक नीलेश उईके ने की है। उन्होने सांसद विवेक साहू से मांग की है कि वे पैदल की बजाय दादाधाम एक्सप्रेस से जाते तो अच्छा रहता। दादाधाम एक्सप्रेस को खण्डवा के बजाय मनमाड़ तक चलाया जावे समाज सेवी हरि प्रसाद साहू ने कहा कि यह ट्रेन 3 दिन पांढुर्ना और तीन दिन छिंदवाड़ा होते हुये चले। मनमाड़ तक ट्रेन चलाने से शिर्डी शनि शिगनापुर एवं महाराष्ट्र के तीनों ज्योतिर्लिंगे के दर्शन आसान हो जावेगें।

आपातकाल के पाठ्क्रम को पढाया जाए: अरूण कपूर

छिंदवाड़ा। परासिया के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व को.बैंक के अध्यक्ष अरूण कपूर ने केन्द्रीय नेतृत्व को पत्र लिखकर मांग की है कि आपातकाल का समय बहुत खराब था, देश की जनता एवं नेता आपातकाल से पीड़ित थे, कांग्रेस ने संविधान की हत्या की थी। आपातकाल का पाठ्यम तैयार कर इसे स्केलों एवं कालेजों में पढ़ाया जावे, जिससे भविष्य में कोई भी सरकार आपातकाल देश में न लगा सके।

समाज सेवी दयानंद ने परासियामें सड़क पर भरे गड्ढे

छिंदवाड़ा समाजसेवी दयानंद चैरसिया ने भरी बारिस में सड़क पर उतरकर परासिया रोड के लाज के सामने के गड्ढे भरे वही मान सरोवर बस स्टेण्ड स्थित सिगनल के पास स्थित टायर पंचर की दुकान के सामने जहॉ से प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहन रूकते एवं निकलते हैं और यहॉ स्थित गड्ढो के कारण हमेशा दुर्घटना होते देखी गई है इस स्थान के गड्ढे को भरा । दयानंद ने बताया कि उन्होनें बस स्टेण्ड मान सरोवर के सामने पूर्व में कई बार इन गड्ढो को भरकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया बावजूद प्रशासन नहीं चेता आखिरकार उन्होनें पुनःइस गड्ढे को भरकर एक ओर तो होने वाली दुर्घटनाओं से लोगों को राहत दिलाने का कार्य तो किया ही वहीं प्रशासन का ध्यान इस ओर पुनः आकर्षित कराया है, और बारिस को देखते हुये इन गड्ढो को भरने की मांग की है जिससे आम जनता को कुछ हद तक राहत मिले ।

किसानों ने भुगतान की मांग को लेकर चौरई एसडीओपी को दिया ज्ञापन

चौरई। चौरई क्षेत्र के ग्राम मेंहगोरा, घोघरी, डुंगरिया, कुंडा, आमाबोह, परासिया, जुरतरा, गोपालपुर, केदारपुर व अन्य आसपास के ग्रामीणों ने शनिवार को कुंडा के गल्ला व्यापारी मदन साहू के द्वारा मक्का फसल की खरीदी का भुगतान न देने की शिकायत पर चौरई एस डी ओ पी को ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तीरथ सिंह ठाकुर के साथ मिलकर एक ज्ञापन सौपा जिसमें उक्त गल्ला व्यापारी के द्वारा फसल खरीदी के बाद काफी समय से भुगतान देने हेतू आनाकानी की जा रही है और किसानों को वर्तमान में बारिश की की फसल मक्का आदि के खाद, बीज व अन्य कार्यों हेतू किसानों को पैसों की अत्यंत आवश्यकता है। पैसों के आभाव में किसान परेशान है। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने अपनी उपज के जल्द भुगतान की मांग चौरई एस डी ओ पी से की है।

आम आदमी पार्टी की बैठक

छिंदवाड़ा । आम आदमी पार्टी छिंदवाड़ा जिला इकाई के नेतृत्व में आज समस्त पदाधिकारी की उपस्थिति में पार्टी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी हित के लिए समस्त 48 वार्डों में वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति पर विचार विमर्श कर विधानसभा प्रभारी के नाम पर विचार विमर्श किया गया एवं सर्व सम्मति से जल्द ही सभी विधानसभा अध्यक्षों के नाम एवं वार्ड अध्यक्षों के नाम घोषित किए जाएंगे और वार्ड अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर पार्टी का विस्तार किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी विंग एवं जिला प्रभारी वीरेन्द्र विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव ओबीसी विंग एवं पॉढुर्णा जिला प्रभारी अशोक विश्वकर्मा सहित पार्टी के जिलाध्यक्ष राजू पाण्डे, जिला सचिव दीपक पवार, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यज सूरज मौर्य, मतीन अंसारी, दीपक बंदेवार, पूर्व ओबीसी विंग जिला अध्यक्ष, अमरवाड़ा विधानसभा से राहुल चांदपुरिया, हरिप्रसाद बेलवंशी उपस्थित रहे ।

कोल इंडिया पेंशनर्स की मासिक बैठक कल

छिन्दवाड़ा। कोल इंडिया सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ समिति छिन्दवाड़ा की मासिक बैठक पेंशनर्स सदन , शुक्ला ग्राउण्ड के पास ,परशुराम वाटिका के सामने , छिन्दवाड़ा में मंगलवार को समय दोपहर 12 बजे से रखी गयी है। श्री पी.आर.डेहरिया की अध्यक्षता में मासिक बैठक रखी गयी है। जिसमें शाखा के कार्यवाहक अध्यक्ष टी.आर.यादव, एन.पी.मिश्रा, उपाध्यक्ष जे.टी.वर्मा, ओ.पी.मेहगिंया, शत्रुधन साहू, राजेश गौतम,रामभाऊ पवार, बालकृष्ण सहसचिव प्रभाकर कोल्हे, सुनील शर्मा, खुशीलाल कुराना,भानु पाल, बसंत कराड़े, एच.एस.राजपूत, सुखनंदन पवार, वहीद भाई, एस.एल.पवार,श्रीमति सरला साहू विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

संत निरंकारी मंडल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

छिंदवाड़ा। सदगुरु माता सुदीक्षा जी की असीम कृपा से संत निरंकारी मंडल शाखा छिंदवाड़ा द्वारा 12 वें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सिंधु भवन, मोहन नगर छिंदवाड़ा में किया गया गया जिसमें बड़ी संख्या में निरंकारी मिशन के अनुयाइयों ने 80 यूनिट रक्तदान किया।

हरीभरी पहाड़ी पर हो रहा अवैध उत्खनन

खनिज विभाग के अधिकारी नहीं कर रहे कार्रवाई

छिंदवाड़ा। शहर से लगे झंडा गांव की हरी-भरी पहाड़ियों में इन दिनों रात के अंधेरे में अवैध उत्खनन का खेल खुलेआम चल रहा है। ग्रामीणों की माने तो यहां हर रात दर्जनों डंपर मुरम भरकर बाहर ले जाए जाते हैं, जिससे न केवल प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि स्थानीय वातावरण भी प्रभावित हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरा काम खनिज विभाग के अधिकारियों की शह पर हो रहा है। बताया जा रहा है कि विभाग के एक चर्चित अधिकारी को मोटी रकम देकर इस अवैध गतिविधि को अनदेखा करने के लिए अनुमति ले ली गई है। यही वजह है कि ग्रामीणों की कई बार की गई शिकायतों के बाद भी अभी तक दीपक ओर पाल सहित अन्य पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।वीस्थानीय लोगों ने इस अवैध उत्खनन के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई है। उन्होंने जिला प्रशासन और खनिज विभाग को शिकायत पत्र देकर मांग की है कि तत्काल प्रभाव से इस अवैध गतिविधि पर रोक लगाई जाए और दोषी अधिकारियों व माफिया तंत्र पर कड़ी कार्रवाई की जाए। झंडा गांव की पहाड़ी क्षेत्र न केवल जैव विविधता से समृद्ध है बल्कि वर्षा जल संचयन और पर्यावरणीय संतुलन में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि इसी तरह पहाड़ियों का दोहन होता रहा तो आने वाले समय में यह क्षेत्र सूखा और भू-स्खलन जैसी आपदाओं का केंद्र बन सकता है।

अब बड़ा सवाल यह है कि जब ग्रामीण और आसपास के लोग इस अवैध उत्खनन को देख व महसूस कर रहे हैं, तो जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर क्यों बैठे हैं? क्या खनिज विभाग की चुप्पी उस भ्रष्ट गठजोड़ की पुष्टि नहीं करती जिसकी चर्चा आम लोगों में जोरों पर है।

जिला चिकित्सालय में एक युवक ने नर्सिंग छात्रा की गला रेत कर बेरहमी से कर दी हत्या

हत्या कर खुद को पुलिस के हवाले किया. हत्या से क्षेत्र मे भारी आक्रोश, हत्यारे को कड़ी सजा देने की मांग,

नरसिंहपुर। शुक्रवार की दोपहर लगभग 2.45 बजे जिला ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाली जघन्य बारदात को एक सर फिरे युवक द्वारा अंजाम दिया गया जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फेल गई. घटना जिला चिकित्सालय के इमर्जेंसी वार्ड के ठीक सामने की गई जब एक 18 वर्षीय 12 बी कक्षा की छात्रा जो कि जिला चिकित्सालय में नर्सिंग की ट्रेनिंग भी कर रही थी दोपहर को लगभग दो बजे वह इमर्जेंसी वार्ड के सामने थी तभी काली शर्ट पहने एक युवक ने आकर मृतका से मारपीट शुरू कर दी जिसे बचाने के लिए मोका पर मौजूद एक अधिकारी आया लेकिन हत्यारे ने उसे भी धमकी देते हुए अलग कर दिया और चाकू से युवती के गले पर बार कर दिया जिससे लहू-लुहान होकर युवती मोका पर गिर पड़ी और दम तोड़ दिया. घटना की जानकारी लगते ही पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मोका पर पहुँचे. बताया जाता है कि इसी बीच आरोपी भाग कर कोतवाली थाना पहुँचा जहां पर उसने अपने आपको सरेंडर भी कर दिया. पुलिस ने न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया गया है. इधर युवती के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सोंप दिया गया लेकिन परिजन सहित आक्रोशित ज़न समुदाय ने हत्यारे को कड़ी सजा देने और परिजनों को उचित सहायता देने की मांग करते हुए धरना दिया गया. लेकिन उचित कार्यवाही का आश्वासन के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया. मृतका नरसिंहपुर साँकल रोड पटेल वार्ड निवासी संध्या चौधरी है जो कि माँ बाप की इकलौती पुत्री थी. छात्रा संध्या चौधरी के हत्या का आरोपी अभिषेक उर्फ तरुण कोष्ठी पिता राजेश कोष्ठी को न्यायालय पेश किया गया, जहाँ से न्यायालय द्वारा उसे जेल भेज दिया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस-जिला नरसिंहपुर ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दिनांक 27.06.2025 को दोपहर लगभग 2ः45 बजे जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में लगभग 18 वर्षीय किशोरी की एक युवक द्वारा हत्या करने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपी अभिषेक कोष्ठी को तत्काल पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। इस आरोपी से पुलिस अभिरक्षा में प्राथमिक पूछताछ करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि मृतिका एवं आरोपी की सोशल मीडिया के माध्यम से पूर्व से जान-पहचान थी।

शिवसेना का वन विभाग घेराव आज

छतरपुर – शिवसेना द्वारा किसानो की समस्याओ को लेकर वन विभाग कार्यालय का घेराव कर मुख्य वन संरक्षक अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपेगी एवं मानगो का निराकरण करवाएगी शिवसेना जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी के नेतृत्व हजारो शिवसैनिक स्थानित मोटे के महावीर मंदिर अटल सभागार में एकत्रित होंगे इसके बाद रैली के रूप में वन मंडल अधिकारी के कार्यालय पहुचकर प्रदर्शन करेंगे एवं किसानो की समस्याओ का निराकरण करवाने हेतु ज्ञापन सौपा जायेगा शिवसेना जिला प्रमुख तिवारी ने उन सभी किसान भाइयो से अपील की है जो किसान भाई वन विभाग की गुंडागर्दी तानाशाही से परेशान हो और उस किसान की भूमि पर वन विभाग अपना कब्ज़ा जमा रहा हो ऐसे किसान कल इस आन्दोलन में शामिल होकर वन वोभाग के खिलाफ हो रहे आन्दोलन को सफल बनाये और यदि बात नहीं बनी तो शिवसेना अपनी स्टायल में प्रदर्शन कर वन विभाग को समझाएगी ।

पत्रकारों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर व्यापक आंदोलन करेगा मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ

रतलाम । मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक रविवार को रतलाम में पूर्व गृहमंत्री हिम्मत कोठारी के मुख्य आतिथ्य में हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रतलाम महापौर प्रहलाद पटेल, नगर निगम की अध्यक्ष मनीषा शर्मा सहित संघ के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि पत्रकार अपने हित के बजाय दूसरों के हित की चिंता करते हैं। इसीलिए पत्रकारिता महत्वपूर्व स्तंभ है। पत्रकारों की कलम में कितना दम है सब जानते हैं। लेकिन अब पत्रकारों की कलम तीखी कम हो गई है। जबकि पत्रकारों की कलम इतनी पैनी हो कि नेता और अधिकारी गलत काम करने से हिचकें। जैसे कि प्रकाश उपाध्याय ने अपनी कलम से रतलाम शहर की अनेक समस्याओं का समाधान कराया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि पहले पत्रकार पाठक की चिंता करता था अब उसे अर्थ की चिंता ज्यादा है। श्री कोठारी ने कहा कि पत्रकार मुद्दे उठाते तो हैं लेकिन जब तक परिणाम न आए पीछा न छोड़ें। कोई गलत दिशा में जा रहा तो पत्रकार उन्हें आगाह करे। समाज पत्रकारों को आशावादी दृष्टि से देखता है उसकी उम्मीद पूरी करें। रतलाम के महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं इस स्तंभ को हटाने से संतुलन बिगड़ सकता है। क्योंकि भ्रष्टनेताओं, अधिकारियों को बंदूक से ज्यादा डर आपकी कलम से लगता है। रतलाम नगर निगम की अध्यक्ष मनीषा शर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं।

विभिन्न प्रस्ताव पारितः प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक में एजेंडे में निर्धारित बिंदुओं पर चर्चा कर सदन की सहमति से विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें मुख्य रूप से मुरैना अधिवेशन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून सहित अनेक मांगों पर त्वरित निर्णय लेने के आश्वासन के बावजूद अब तक कोई भी मांग पूरी न होने पर शीघ्र ही राजधानी भोपाल में संघ का व्यापक आंदोलन छेड़ने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया द्वारा रतलाम संभाग बनाने की घोषणा करते हुए डॉ प्रतिपाल सिंह राणा को अध्यक्ष और विजय मीणा को महासचिव घोषित किया गया। डॉ प्रतिपाल सिंह राणा के रिक्त पद पर भेरूलाल टाक को प्रदेश संयुक्त सचिव घोषित किया गया। नागेश जोशी को भोपाल संभाग का अध्यक्ष तथा रतनलाल बॉथम को महासचिव घोषित किया गया।

मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का मां के नाम पेड़,नशा मुक्त भारत, विश्व शांति का आह्वान

गंज बासौदा दैनिक सांध्य प्रकाश । गम और शहादत के अजीमो शान महापर्व पर्वाधिराज मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने देश में सकारात्मक बदलाव, सामाजिक सुधार और वैश्विक शांति की दिशा में ऐतिहासिक संकल्प लेने का आह्वान किया । गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने सभी हम वतन भाई बहनो से मां के नाम पेड़, नशा मुक्त भारत और वैश्विक शांति का आह्वान जैसे अभियानों के माध्यम से देश और दुनिया के लिए हजरत इमाम हसन हुसैन के बताऐ मार्ग पर चलकर एक नई दिशा देने की बात कही । श्री कादरी ने कहा हरित भारत, एक पेड़ मां के नाम और नशा मुक्त भारत एक प्रेरणादायक पहल है । इस पहल के तहत हर साल अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया जाऐ । यह पहल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के अलावा मां के प्रति सम्मान और धरती के प्रति जिम्मेदारी को जोड़ने वाली एक सांस्कृतिक क्रांति है। मध्य भारत प्रांत संयोजक एडवोकेट असद नवेद हाशमी ने देश की युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे के खतरे पर गहरी चिंता जताई गई। मंच ने सर्वसम्मति से नशा छोड़ो, देश जोड़ो नाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का फैसला लिया है ।

उदयपुर में पुरातत्व संपदा पर मंडरा रहा खतरा, प्रशासन मौन

प्रशासनिक लापरवाही से पनप रहा पत्थर के अवैध उत्खनन व स्टॉक का काला कारोबार

सांध्य प्रकाश , गंजबासौदा। क्षेत्र के उदयपुर में एक हजार वर्ष पुरानी पुरातत्व संपदा पर अब पत्थर के काले कारोबार के कारण खतरा मंडराने लगा है और अगर ऐसा ही चलता रहा तो हो सकता है आने वाले समय में उदयपुर की यह विरासत पत्थर के अवैध उत्खनन के कारोबार की भेंट चढ़ जाए। क्योंकि आरोप यह लग रहे हैं कि यह पूरा कारोबार प्रशासनिक अधिकारियों के संरक्षण में ही पनपता है कहने को तो इस क्षेत्र में प्रमुख रूप से वन विभाग, पुरातत्व विभाग, खनिज विभाग, राजस्व विभाग के अलावा ग्राम पंचायत भी है लेकिन फिर भी यह काला कारोबार अजगर की तरह संपूर्ण क्षेत्र में पसरा हुआ है। बात करें पुरातत्व संपदा की तो यहां सात स्थान पुरातत्व विभाग के अधीन है जिसमें दो केंद्रीय पुरातत्व विभाग व 5 राज्य पुरातत्व विभाग के अधीन है और हद की बात यह है कि पुरातत्व संपदा रावण टोल व 12 खंभी के समीप ही धड़ल्ले से पत्थर का अवैध उत्खनन व अवैध पत्थर स्टॉक खुले आम चल रहे हैं। कहने को तो पुरातत्व संपदा के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का कोई भी निर्माण प्रतिबंधित है और पुरातत्व विभाग ने देखने के लिए यहां प्रतिबंध के बोर्ड भी लगाए हैं लेकिन दूर की तो छोड़िए नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के समीप निर्माण चल रहे हैं और यह कहने में हमें कोई संकोच नहीं होगा कि जिन पर यह निर्माण रोकने की जिम्मेदारी है वह उदयपुर की ग्राम पंचायत ही यह निर्माण करवा रही है वर्तमान समय में ही अनेक मकान यहां निर्माणाधीन हैं जिनकी अनुमति व स्वीकृति स्वयं पंचायत ने ही दी है। लेकिन इस ओर किसी का कोई ध्यान नहीं है न ही उदयपुर के पत्थर के अवैध कारोबार पर कोई कार्यवाही होती है। बस देखने दिखाने के लिए कभी कभार प्रशासनिक अधिकारी द्वारा छुट पुट कार्यवाही होती जरूर है लेकिन फिर कुछ दिन बाद यह काला कारोबार पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ हो जाता है।

एन जी टी की कार्यवाही का भी कोई असर नहीं,खुले आम चल रहा कारोबार-

विगत वर्ष एन जी टी ने भी पूरे मामले में संज्ञान लिया था उस समय प्रशासनिक अधिकारियों ने ताबड़तोड़ कार्यवाही भी की थी और अवैध पत्थर के उत्खनन को लगभग बंद ही करवा दिया था साथ पत्थर के वैध व अवैध पत्थर के स्टॉकों की भी सघन जांच हुई थी जिसका प्रभाव यह हुआ था कि यह काला कारोबार कुछ समय के लिए बंद ही हो गया था लेकिन जैसे ही मामला शांत हुआ यह पूरा कारोबार धड़ल्ले से पुनः प्रारंभ हो गया लापरवाह प्रशासनिक अधिकारियों पर साठगांठ के आरोप इसलिए लगते हैं कि यहीं वन विभाग ने चौकी भी बना रखी है लेकिन प्रतिदिन दर्जनों पत्थर से भरे बड़े बड़े ट्रक अवैध उत्खनन कर पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए खुले आम पत्थर के अवैध स्टॉक पर पहुंचने हैं लेकिन इन्हें न तो कोई टोकता है मीडिया की बात जब इस क्षेत्र के वन विभाग के प्रभारी डिप्टी रेंजर महेंद्र दांगी से हुई तो उन्होंने कहा कि वन विभाग में एक भी वैध खदान है ही नहीं और अवैध उत्खनन को रोकने की जिम्मेदारी भी इन्हीं की है।लेकिन फिर भी करीब दो सैकड़ा से अधिक अवैध खदान और करीब एक दर्जन अवैध पत्थर के स्टॉक अगर उदयपुर क्षेत्र में ही संचालित हैं तो जिम्मेदार कौन है और अगर फिर सांठगांठ के आरोप लगें तो फिर इसमें गलत क्या है।

धमाकों से दहलता है क्षेत्र,फिर भी प्रशासन मौन

एक तरफ केंद्र व राज्य सरकार नदी, पहाड़, जंगल बचाने के लिए जन जागृति सहित दर्जनों योजना चला रही है तो दूसरी तरफ खुले आम सबके सामने पहाड़ों को खोदा जा रहा है अवैध रूप से वन भूमि में बारूद से ब्लास्ट किए जा रहे हैं जिसके कारण पूरा क्षेत्र धमाकों से दहल उठता है लेकिन प्रशासनिक अधिकारी से लेकर आम जन भी चुप हैं तो फिर जंगल और पहाड़ों को बचाने के लिए जिम्मेदार कौन है डिप्टी रेंजर महेंद्र दांगी ने कहा कि अवैध परिवहन को रोकने तीन स्थानों पर तीन कैमरे लगे हैं लेकिन जब उनसे पूछा कि क्या कैमरे चैक किए तो उन्होंने यह कह कर पल्ला झाड़ लिया कि यह काम ऊपर के अधिकारियों का है। ऐसा ही जवाब ग्राम पंचायत के सचिव ने दिया की मंदिर के आसपास निर्माण हो रहे मकान की आप क्यों स्वीकृति दे रहे उन्हें रोकते क्यों नहीं तो सचिव महोदय बोले कि रोकने की जवाबदेही प्रशासन की है।

इनका कहना है

पूरे मामले में आपके द्वारा जानकारी दी गई है में दिखबाता हूं क्या मामला है।

अंशुल गुप्ता, कलेक्टर विदिशा

आपके द्वारा अवैध उत्खनन व पुरातत्व संपदा के नुकसान की बात बताई गई है पूरे मामले में संबंधित विभागों से कार्यवाही की लिए बात करूंगा।

विजय राय, एसडीएम, गंजबासौदा

हम समय समय पर कार्यवाही के लिए कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम को पत्र लिखते हैं कार्यवाही नहीं होती तो हम रिमांडर भी भेजते हैं हम कह ही सकते में बुलडोजर लेकर स्वयं कार्यवाही करने तो नहीं जा सकते अगर कार्यवाही नहीं हो रही है तो आप उन्हीं से पूछिए।

संदीप महतो , प्रभारी, केंद्रीय पुरातत्व विभाग,विदिशा

अवैध उत्खनन को रोकने के लिए 3 जगह 3 कैमरे लगे हुए हैं आप को जो भी पूछना है आप रेंजर साहब से पूछो वो ही बताएंगे।

महेंद्र दांगी, डिप्टी रेंजर, उदयपुर क्षेत्र

शासन के निर्देशों के आधार पर ही निर्माण करवा रहे हैं और अवैध निर्माण को रोकने की जवाबदारी मेरी नहीं है।जवाबदारी शासन की है।

ओम प्रकाश सेन, सचिव

ग्राम पंचायत उदयपुर

झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित

छिंदवाड़ा। शहर और जिले भर में झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा। बारिश से जहां कुछ लोगों के चेहरे खिले, वहीं किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा लगातार बारिश होने से किसान खरपतवार नाशक दवाई नहीं सींच पा रहे है- इससे उनकी फसलों पर असर पड़ सकता है।- बारिश से शहर की सड़कों में पानी भर आया- झुग्गी बस्तियों में पानी घुस गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।- लगातार बारिश से यातायात प्रभावित रहा- लोग घरों में दुबके रहे और अनावश्यक बाहर नहीं निकले।- लगातार बारिश के कारण कई जगह पेड़ गिरे- इससे लोगों को खतरा बना रहा। बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रख आवश्यक उठाए जा रहे।

जिले में अभी तक 149.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 149.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 149.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 29 जून 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 5.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 29 जून 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 10, तामिया में 16, अमरवाड़ा में 2.2, चौरई में 7.2, हर्रई में 3.8, परासिया में 7.5, जुन्नारदेव में 7.6, चांद में 3.2 और उमरेठ में 2.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 143.4, मोहखेड़ में 189.5, तामिया में 118, अमरवाड़ा में 213.2, चौरई में 127, हर्रई में 159, बिछुआ में 99.6, परासिया में 101.9, जुन्नारदेव में 124, चांद में 150.7 और उमरेठ में 223.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

रहस्यमयी नागद्वारी यात्रा 19 जुलाई से शुरू

छिंदवाड़ा/पचमढ़ी। सतपुड़ा की घनी वादियों और ऊंची पहाड़ियों के बीच स्थित नागद्वारी यात्रा एक रहस्यमयी और अत्यंत श्रद्धास्पद धार्मिक यात्रा है, जो सिर्फ साल में एक बार नागपंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खोली जाती है। यह यात्रा मध्यप्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में स्थित है। नागद्वारी यात्रा की विशेषताएं यात्रा अवधिः इस वर्ष नागद्वारी यात्रा 19 जुलाई 2025 से शुरू हुई है, जो 10 दिन तक चलेगी।

स्थानः जलगली से 12 किमी की पहाड़ी पदयात्रा, जो कठिन और चुनौतीपूर्ण है।सतपुड़ा टाइगर रिजर्व क्षेत्र होने के कारण साल में सिर्फ एक बार इस मार्ग पर प्रवेश की अनुमति होती है। नागलोक तक का रहस्यमयी रास्ता श्रद्धालुओं को नागद्वार तक पहुंचने के लिए घने जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और फिसलन भरे पगडंडियों से गुजरना पड़ता है। यह मार्ग सीधा नागलोक की ओर जाने वाला माना जाता है। यात्रा में श्रद्धालुओं का सामना कई बार जहरीले सांपों से होता है, लेकिन मान्यता है कि यह सांप भक्तों को नुकसान नहीं पहुंचाते।

नागदेव की गुफाएं और मूर्तियां- चिंतामणि गुफा लगभग 100 फीट लंबी गुफा, जिसमें नागदेव की मूर्तियां स्थापित हैं।

स्वर्ग द्वार- चिंतामणि गुफा से 500 मीटर दूर एक और पवित्र गुफा, जहां नागदेव की उपस्थिति मानी जाती है।

मुख्य मंदिर गुफा- 35 फीट लंबी गुफा जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। अमरनाथ जैसी ही नागद्वारी की यात्रा। जैसे बाबा अमरनाथ यात्रा हिमालय की ऊंचाइयों से होकर गुजरती है, वैसे ही नागद्वारी यात्रा सतपुड़ा की सर्पाकार पगडंडियों से होकर पूरी होती है। दोनों ही यात्राएं भक्तों के लिए कठिन लेकिन धर्म और प्रकृति के अद्भुत संगम की अनुभूति कराती हैं।

मान्यताएं और धार्मिक महत्व- कालसर्प दोष निवारणः नागद्वारी यात्रा को कालसर्प दोष से मुक्ति दिलाने वाली यात्रा माना जाता है।शिवलिंग पर काजल चढ़ानाः गोविंदगिरी पहाड़ी की गुफा में स्थित शिवलिंग पर काजल लगाने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैंआस्था की परीक्षाः दो-दो पीढ़ियों से लोग यह यात्रा कर रहे हैं; यह यात्रा धैर्य, भक्ति और आत्मशक्ति की परीक्षा मानी जाती है। यात्रा मार्ग और तैयारी जलगली से लेकर मुख्य गुफा तक कुल 12 किमी की पैदल यात्रा।मार्ग में 1 से 18 तक के दर्शन स्थल चिन्हित हैं जिन्हें एक ही दिन में कवर किया जा सकता है।शारीरिक क्षमता और मौसम को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा पर निकलें। नागद्वारी यात्रा सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव है जो प्रकृति की गोद में, आस्था के साथ जुड़कर मन, शरीर और आत्मा को एक नई ऊर्जा से भर देता है। यह यात्रा उन श्रद्धालुओं के लिए एक अद्भुत वरदान है जो आस्था की राह पर जोखिम उठाकर दिव्यता की अनुभूति करना चाहते हैं।

शांति समिति की बैठक

सौंसर। थाना प्रांगण सौसर में आगामी त्योहार मोहर्रम एवं ताजिया के उपलक्ष मे श्रीमान एसडीओपी महोदय सौसर तहसीलदार मैडम सौसर थाना प्रभारी सौसर एवं गणमन नागरिकों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक रखी गई जिसमें त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखना एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प

अक्षय जल, सुरक्षित कल

जल गंगा संवर्धन अभियान

समापन समारोह एवं वॉटरशेड सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

30 जून, 2025 । दोपहर 12 बजे

मंडी प्रांगण, खण्डवा, मध्यप्रदेश

'जल की हर बूंद में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।'

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल संरक्षण का 'जन संकल्प'

जल संचय में वृद्धि

- ₹2048 करोड़ लागत के 83 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण, जिससे खेत का पानी खेत में सिंचित होगा
- ₹254 करोड़ लागत से 1 लाख से अधिक कूप रीचार्ज
- अमृत सरोवर 2.0 के तहत ₹ 354 करोड़ लागत से 1 हजार से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण
- शहरी क्षेत्रों में 3300 से अधिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई एवं 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण

जनभागीदारी

- 40 लाख लोगों की भागीदारी से 5 हजार से अधिक जल स्रोतों का हुआ जीर्णोद्धार
- My Bharat पोर्टल के माध्यम से 2.30 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल का आयोजन

तकनीकी नवाचार

- GIS आधारित SIPRI सॉफ्टवेयर के उपयोग से जल स्रोतों का चयन एवं AI आधारित मॉनिटरिंग की गई
- नर्मदा परिक्रमा पथ एवं अन्य तीर्थ मार्गों के डिजिटलीकरण के जरिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा सकेगा ख्याल

पर्यावरणीय एवं कृषि प्रभाव

- 57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन एवं उनके शोधन के लिए योजना तैयार
- जैव विविधता संरक्षण हेतु घड़ियाल और कछुओं का किया गया जलावतरण
- 145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास हेतु योजना तैयार
- अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण प्रारंभ
- वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण
- पौधरोपण हेतु लगभग 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित

वॉटरशेड हेतु कार्य

- ₹1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत, 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा
- 9000 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के जरिए किसानों को 1 वर्ष में दो से तीन फसलों का मिल रहा लाभ

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

#जल_गंगा_संवर्धन_अभियान_MP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025